समाज विकास

स्थापित 1935

म्हारो लक्ष्य - राष्ट्र री प्रगति

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• अप्रैल २०२४ • वर्ष ७५ • अंक ०४

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न

२१ अप्रैल २०२४: सम्मेलन कार्यालय के केंद्रीय सभागार में राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न हुई। चित्र में परिलक्षित हैं --राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल रूँगटा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ, उपाध्यक्ष दिनेश कुमार जैन, राजकुमार केडिया, महामंत्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदार नाथ गुप्ता, राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेश जालान, निवर्तमान राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दामोदर विदावतका, पूर्वोत्तर प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश चंद काबरा, पश्चिम बंग प्रांतीय अध्यक्ष नंद किशोर अग्रवाल, पूर्वोत्तर पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष ओम प्रकाश खंडेलवाल, बिहार पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष द्वय बिनोद तोदी, कमल नोपानी, झारखंड पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष निर्मल काबरा, सुरेश कमानी, विश्वनाथ भुवालका, शिव रतन फोगला, नंदलाल सिंघानिया, संतोष खेतान, पवन बंसल, गिरधारी लाल सराफ, सुभाष केडिया तथा अन्य सदस्यगण।

'राजनीति में मारवाड़ियों की वर्तमान स्थिति' विषय पर संगोष्ठी आयोजित

०६ अप्रैल २०२४ : सम्मेलन कार्यालय के केंद्रीय सभागार में मतदान जागरूकता पोस्टर का विमोचन करते राजस्थान पत्रिका समूह के प्रधान संपादक डॉ. गुलाब कोठारी साथ में राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश जैन, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, निवर्तमान राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दामोदर विदावतका, राजस्थान पत्रिका के सह-संपादक भुवनेश जैन एवं अन्य।

इस अंक में

संपादकीय
- नारी एक बहती नदी, जीवन करे निहाल

आपणी बात
- 'अप्रैल २०२४' सम्मेलन में ऐतिहासिक निर्णय का माह

विशेष पेज-११

संस्कार-संस्कृति चेतना
- हिंदू नववर्ष (संवत्सर), हनुमान जयंती
- प्रेरक प्रसंग, ज्ञान गंगा, बूझो तो जाने
- लोमड़ी और किसान, संघर्ष

रपट
- राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक
- 'आपणो राजस्थान' कार्यक्रम

प्रादेशिक समाचार
- दिल्ली, पूर्वोत्तर, पश्चिम बंग, उत्कल
- बिहार, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, झारखंड
- गुजरात, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश

विक्रम संवत 2081 की हार्दिक शुभकामनाएँ

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

Regd. & Corporate Office:

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

Overseas Office at:

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

Plants at:

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

Perfectly styled weddings

Showcasing a collection of impeccably styled ceremonial suits, that add a sense of style and sophistication to your wedding look. This collection is a true testament to redefining suits for weddings, crafted in multiple hues, distinctive silhouettes and fine detail. Because no wedding wardrobe is complete without a well-tailored suit.

THE Raymond SHOP

7/1A, Lindsay Street
✆22174978/22174980/9331046462

21, Camac Street
✆22837933/40629259/9007104378

Use Green Products & Increase Green Building Rating Points

HINDCON CHEMICALS LTD.

STRENGTH UPON STRENGTH

Manufacturers of:

CONSTRUCTION CHEMICALS
SPECIALITY CHEMICALS
SODIUM SILICATE

PROTECTIVE & WATERPROOFING COATINGS, SHEETINGS EXPANSION & CONTRACTION JOINT SYSTEM | CONCRETE & MORTAR ADMIXTURES | REMOVER/CLEANING COMPOUNDS WATER PROOFING COMPOUNDS | GROUTS & REPAIRING MORTARS CEMENT ADDITIVES | EPOXY GROUTS & MORTARS | REHABILITATION COATING IMPREGNATION | CONCRETING AIDS | SHOT CRETE AIDS FLOOR TOPPINGS | TILE ADHESIVE | FOUNDRY AID | SEALANTS | WATERPROOFING | JOB WORK

- **Kolkata :** Nest Constructors +91 9831075782
- **Midnapore :** New S.A. Sanitary +91 8016933523
- **Mursidabad :** Bharat Congee +91 7047628386
- **Siliguri :** Subhojit Ghosh +91 9836367567
  Bhawani Enterprise +91 7584983222
- **South 24 Pgs :** M.M. Enterprise +91 9051449377
- **Nadia :** NPR Enterprise +91 9775174923
- **Purulia :** Netai Chandra Son & Grand Sons +91 9775154544
- **Bankura :** Amit Enterprise +91 8972945781
- **Arambagh :** Maa Manasa Trading +91 9647673010
- **Hooghly :** Sen Enterprise +91 7908528482
- **Birbhum :** K.D. Enterprise +91 9434132114
- **Bhubaneswar :** Santosh Nayak +91 8895677677
- **Chennai :** Five Star Associates +91 9962591145
- **Delhi :** Debasis De +91 9836174567
- **Gujarat :** Ujjwal Chanchal +91 9142501353
- **Guwahati :** Manik Dey +91 9864824344
- **Himachal Pradesh :** Rajan Sharma +91 9830286567
- **Karnataka :** Akshaya Enterprise-9902019244
- **Madhya Pradesh :** Kanha Trading Co. +91 9630732585
  Om Shree Sai Trader +91 8077185201
- **Navi Mumbai :** Paresh Ashra, +91 9967658832, 9322591244
- **Patna :** Happy Home +91 9122191920
- **Uttar Pradesh :** Pramod Kr. Shahi +91 9830296567
  Hind Trading Company +91 7052429999
- **Bhutan :** Sriram Traders - +91 9647748327
- **Nepal :** Ashwin International Pvt. Ltd - 00977 9851035502

ISO 9001:2015 | IS:2645 | IS:9103 | ISO 22716:2007

+91 33 24490839, 9830599113 | +91 33 24490849 | contactus@hindcon.com | www.hindcon.com

Vasudha' 62 B, Braunfeld Row, Kolkata-700027, West Bengal, India

समाज विकास

◆ अप्रैल २०२४ ◆ वर्ष ७५ ◆ अंक ४
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक — पृष्ठ संख्या

- **संपादकीय :** ६
  नारी एक बहती नदी, जीवन करे निहाल
- **आपणी बात : शिव कुमार लोहिया** ७
  अप्रैल २०२४ सम्मेलन में ऐतिहासिक निर्णय का माह
- **रपट**
  राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक ८-९
  राजनीति में मारवाड़ियों की वर्तमान स्थिति १०
  खुद मतदान करें, दूसरों को भी करें प्रेरित १३
  शीर्ष नेतृत्व के पूर्वोत्तर भ्रमण पर सरसरी नजर १४-१६

विशेष **संस्कार-संस्कृति चेतना**

हिंदू नवसंवत्सर, संघर्ष, हनुमान जयंती १९
प्रेरक प्रसंग, ज्ञान गंगा, बूझो तो जानें २१
आइए मारवाड़ी भाषा सीखें २२

- **प्रादेशिक समाचार**
  पूर्वोत्तर, प. बंग, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ १८,२३-३२
  गुजरात, उत्कल, दिल्ली, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश
- **आलेख**
  मनुजता को कर विभूषित ३३
  समाचार सार ३४

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

समाज विकास के गत कुछ अंकों में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के विगत कुछ वर्षों के अधिवेशनों के बारे में पाठकों को जानकारी देने का प्रयास किया गया विशेषकर १९३५ व १९५३। कुछ महीनों तक 'समाज विकास' के प्रकाशित अंकों में लगातार दो स्तंभों के मार्फत यह जानकारी उपलब्ध हुई।

मेरा संपादक महोदय से अनुरोध है कि सम्मेलन के विषय में इस तरह की बहुमूल्य जानकारी जो नए प्रजन्म को बिलकुल ज्ञात नहीं है, 'समाज विकास' के माध्यम से उपलब्ध कराने का आपका प्रयास निश्चय ही सराहनीय है। साथ ही जिन अंकों में यह प्रकाशित की गई है, वह सभी अंक संग्रहणीय है। इस तरह की जानकारी व सम्मेलन के पुरोधाओं के बारे में लेख 'समाज विकास' में लगातार प्रकाशित किए जाने चाहिए।

– राजकुमार सराफ, नॉर्थ लखीमपुर, असम, मो. ९४३५०८५०५८

मेरा परिवार

सभी सदस्यों से अनुरोध है कि '**मेरा परिवार**' में अपने परिवार के सभी सदस्यों की जानकारियाँ भरकर इसको संरक्षित करें। परिवार का वंश वृक्ष बनाएँ, जितनी अपनी पूर्वजों की जानकारी हो सके एकत्रित कर सकें कीजिए। अपनी संतान को अपने पूर्वजों के बारे में बताइए। हमारे सनातन धर्म के हर संस्कारों में वंश वृक्ष की आवश्यकता होती है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के फरवरी अंक में दिए गए 'संस्कार संस्कृति चेतना' स्तंभ के पेज २० में इस वंश वृक्ष तथा साथ में बच्चों में सुसंस्कार पल्लवित करने के लिए काफी जानकारी व प्रेरक प्रसंग प्रकाशित करने का सराहनीय प्रयास किया गया है। हमें यह सभी जानकारी विभिन्न माध्यमों से अपने समाज के बच्चों तक पहुँचाने का प्रयास करना चाहिए।

– राजकुमार सराफ, नॉर्थ लखीमपुर, असम, मो. ९४३५०८५०५८

समाज विकास का फरवरी अंक मिला। '**आपणी बात**' के अन्तर्गत श्री शिव कुमारजी लोहिया द्वारा रचित लेख आज के समाज की ज्वलंत समस्याओं का कच्चा चिट्ठा है। आपने समाज में व्याप्त कुरीतियों पर विचार, आचरण आदि का बहुत ही सुन्दर चित्रण किया है। एक नयी राह शुरुआत करनें का ब्लू प्रिंट है। आपको बहुत बहुत साधुवाद।

बहुत ही कठीन राह हैं, जो अकेले सम्भव नहीं हो सकती। इस पुण्य काम को आगे बढ़ाने के लिए समाज के हर वर्ग के सामाजिक संस्थाओं को आगे आकर इस काम को और आगे ले जाने लिए सहयोग करना चाहिए। सबके सहयोग बिना इन समस्याओं का समाधान नही हो सकता। एब सवाल उठता है जो समस्याएं हैं उनके समाधान के लिये कहा से और कैसे शुरूआत की जाय। यह भी एक विचारणीय प्रश्न है।

मेरा मानना है जिन संस्कारों, संस्कृति और परंपराओं को हम भूल चुके हैं उनको जाग्रत किया जाय। शायद जानकारियों के अभाव में ऐसी विकृतियाँ हो रही हो। ये मेरे विचार है। ग़लत हो तो माफ़ किजिएगा। इसी आशा के साथ।

– जगदीश प्रसाद सिंधी, कोलकाता

सम्मेलन मंच

सभी पाठकों से निवेदन है कि 'राजनीति में मारवाड़ी समाज के वर्तमान भागीदारी की स्थिति' पर ५०० शब्दों में अपने विचार हमें aimf1935@gmail.com या व्हाट्सएप ८६९७३१७५५७ पर भेजने की कृपा करें। सर्वोत्तम तीन विचार को पुरस्कृत किया जाएगा।

नारी एक बहती नदी, जीवन करे निहाल

संपादकीय

नारी के संदर्भ में महादेवी वर्मा जी ने लिखा है – "नारी केवल माँस-पिंड की संज्ञा नहीं है। आदिम काल से आज तक विकास पथ पर पुरुष का साथ देकर उसकी यात्रा को सफल बनाकर, उसके अभिशापों को स्वयं झेलकर और अपने वरदानों से जीवन में अक्षय शक्ति भरकर मानवीय ने जिस व्यक्तित्व, चेतना और हृदय का विकास किया है उसी का नाम नारी है।"

जब हम देवी-देवताओं की बात करते हैं, वहाँ भी देवी पहले आती है ना कि देवता-देवी। स्त्री को पिता गुरु से पहले माता के रूप में नमन किया जाता है। यज्ञ आदि समस्त धार्मिक अनुष्ठानों में धर्मशास्त्र के अनुसार पत्नी रहित पुरुष को अधिकारी नहीं माना जाता। स्त्री मकान को घर बनाती है और जिस घर में स्त्रियों का सम्मान होता है वहाँ सदा देवता रमन करते हैं।

नारी को पुरुष के समान समझना मूर्खता है, क्योंकि वह सदैव ही पुरुषों से श्रेष्ठ रही है। उसको जो भी मिलेगा उसको वह श्रेष्ठ रूप में बदल देती है। शुक्राणु को शिशु, मकान को घर, आटा चावल-दाल को भोजन के रूप में वह परिवर्तित कर देती है। अगर आप उसे अपना मुस्कान देते हैं तो वह अपना हृदय दे देती है। उसको जो भी मिलता है उसे कई गुना अधिक करके वापस दे देती है। अतः हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हम उन्हें उचित सम्मान दें, ताकि कई गुना होकर हमें वापस मिले। हमें इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए शक्ति के बिना 'शिव' शव हैं। शास्त्र जिस शिव की बात करते हैं वह हम स्वयं हैं। हमारा शरीर बिना शक्ति यानी प्राण शक्ति के शव है। यही वह शक्ति है जिसके बारे में वेद शास्त्र कहते हैं 'तत्वमसि'।

सृष्टि के प्रारंभ में भगवान मनु ने अपने शरीर के दो भाग करके आधे को पुरुष रूप में एवं आधे को स्त्री रूप में परिवर्तित किया था। नर-नारी एक दूसरे के पूरक हैं। एक दूसरे के बिना वह आधे अधूरे हैं। ईश्वर ने पुरुष को सशक्त बनाया। नारी को प्रेममयी एवं कोमल। नारी में कुछ विशेष गुण भी हैं जैसे कि :

ग्रहणशीलता - ग्रहणशीलता या लचीलेपन से उसमें समर्पित भाव और प्रेम सहजता से उभरता है। पुरुष को यह प्रयास के द्वारा ही मिलता है, पर स्त्री के लिए वह सहज है।

निरंतर कार्य क्षमता - दुनिया में जो भी कार्य चल रहे हैं और जहाँ एक ही जगह पर बैठकर कुछ कार्य करने पड़ते हैं वहाँ निरंतरता की आवश्यकता होती है। इस प्रकार के कार्यों में पुरुष जल्दी उकता जाते हैं, जबकि स्त्रियों के लिए यह सहज रूप से संभव है। उदाहरण के स्वरूप ९ महीने पेट में बच्चों को रखना सिर्फ स्त्री के लिए ही संभव है।

सहनशीलता - अकसर इस गुण का पुरुष दुरुपयोग करते हैं। इसी कारण उनको पुरुषों के अत्याचार, हिंसा एवं गलत व्यवहार को झेलना पड़ता है।

सौंदर्य, लज्जा, क्षमा, संतोष, विनम्रता, करुणा, मधुर वाणी, त्याग आदि नारी के विशेष गुण हैं। हमारी कुछ सामाजिक प्रथाएँ हैं जो स्त्रियों के प्रति भेदभाव करती हैं, लेकिन आध्यात्मिक ज्ञान इसकी अनुमति नहीं देता। आध्यात्मिक ज्ञान के अनुसार हम आत्मा है एवं शरीर पुरुष या नारी है।

आज की महिलाएँ आत्म स्वावलंबी बन रही हैं जो कि एक हर्ष का विषय है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि महिलाओं को कभी भी स्वयं को कमजोर नहीं समझना चाहिए। उनका कहना था कि महिलाओं को ऐसी शिक्षा मिलनी चाहिए जिससे वह निर्भय हो सकें। उन्हें हमेशा स्वयं पर विश्वास रखना चाहिए। एक व्यक्ति ने जब उनसे पूछा कि आप मुझे बताएँ कि महिलाओं के उत्थान के लिए मैं क्या करूँ। उत्तर में उन्होंने कहा कि आपको कुछ नहीं करना है, बस उन्हें अकेला छोड़ दो। उन्हें जो करना है वह खुद करेंगी। इस मानसिकता के अंदर निहित भावनाओं को महिलाओं को समझने की आवश्यकता है। आज की महिला बदल रही है। आज की नारियाँ जिम्मेदार हैं। आज की महिलाएँ अभिव्यक्ति खुलकर करती हैं। आज की महिलाएँ शिक्षित होकर विजयी बनती हैं। आज की महिलाएँ ना कहने से नहीं डरतीं। कब ना कहना है, उन्हें आता है। परिवार के साथ हाथ बटाँना जानती हैं। आज की महिलाएँ अपना ख्याल रखती हैं। अपने जीवन की अहमियत को समझती हैं। आज की महिलाएँ अपने को अपडेट रखती हैं। आजकल के नई तकनीकी प्रगति से परिचित रहती हैं। मोबाइल, स्मार्टफोन, नेट बैंकिंग, टिकट बुकिंग, कंप्यूटर, लैपटॉप जैसे तमाम चीजों का वह उपयोग करती हैं। महिलाएँ अब शिक्षा के माध्यम से स्वयं का विकास कर रही हैं एवं सभी क्षेत्रों में पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर नए समाज संरचना में अपना सशक्त योगदान दे रही हैं। चौका-चूल्हा के साथ ही बाहरी दुनिया में भी अपनी छाप छोड़ रही हैं। आज इस बात को समझने की जरूरत है कि स्त्री और पुरुष में किसी प्रकार की प्रतियोगिता या द्वंद्व नहीं है। वह एक दूसरे के लिए बने हैं, यह एक प्राकृतिक व्यवस्था है। दोनों मिल-जुलकर एक दूसरे के भावनाओं का सम्मान करते हुए जीवन को आनंद से भर सकते हैं। इस समझ के अभाव में आज समाज में तनाव, तलाक, शोषण बढ़ रहे हैं। प्रगति अति आवश्यक है। आत्मविश्वास, आत्मबल एवं स्वावलंबन अति आवश्यक है। किंतु, साथ-साथ विनय, लोक-लाज, संयम, समन्वय, सुसंगति, सामंजस्य, परस्पर सम्मान भी ऐसे गुण हैं, जिनके बिना जीवन शांतिमय नहीं रहती। प्रगति के नाम पर संस्कार-संस्कृति को तिलांजलि हम नहीं दे सकते। एक बात तो तय है कि स्वायत्तता एवं स्वतंत्रता सभी व्यक्तियों का जन्मसिद्ध अधिकार है। यह सभी को प्राप्त होना चाहिए, किंतु इसका उपयोग समझदारी, संयम के साथ अहम रहित होना चाहिए।

दिनकर की पंक्तियाँ हैं:

क्या पूछा', है कौन श्रेष्ठ सहधर्मिणी?
कोई भी नारी जिसका पति श्रेष्ठ हो।

अप्रैल २०२४ सम्मेलन में ऐतिहासिक निर्णय का माह

अप्रैल २०२४ सम्मेलन के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय के माह के रूप में अंकित हो गया है। इस महीने की ८ तारीख को भवन निर्माण उपसमिति ने 'एस. आर. रुंगटा ग्रुप' के सहयोग से राजा राममोहन राय सारणी स्थित सम्मेलन की भूमि पर 'सीताराम रूँगटा मारवाड़ी सम्मेलन भवन' निर्माण के प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया। इस चार मंजिला भवन की कुल लागत ४.७५ करोड़ आने का आंकलन किया गया है। इस राशि में भवन निर्माण में लगने वाली राशि ४.२५ करोड़ का अनुदान 'एस. आर. रूँगटा ग्रुप' द्वारा दिया जाएगा। भवन निर्माण से संबंधित म्युनिसिपल टैक्स, आर्किटेक्ट की फीस, निरीक्षण-परीक्षण के लिए कार्यकारी सहयोगियों की नियुक्ति आदि के लिए ५० लाख का प्रावधान अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की निधि से किया जाएगा। दिनांक २१ अप्रैल को आयोजित कार्यकारिणी समिति ने इस संबंध में एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए इन खर्चों के लिए ५० लाख तक खर्च करने का अधिकार राष्ट्रीय पदाधिकारी को प्रदान किया है। इस तरह वर्षों से लंबित इस कार्य को गति प्राप्त करते देख मुझे अत्यंत गौरव एवं आत्म संतुष्टि का बोध हो रहा है। इस ऐतिहासिक महती निर्णय में मेरी किंचित भूमिका मेरे मौ जीवन की थाती बनकर रहेगी। इसके लिए मैं भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भवन निर्माण उपसमिति के चेयरमैन श्री संतोष सराफ के अथक प्रयासों का तहे दिल से सराहना करता हूँ। 'एस. आर. रूँगटा ग्रुप' के प्रति भी सम्मेलन की तरफ से मैं आभार प्रकट करता हूँ। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि अगले २ वर्षों में भवन बनकर समाज एवं सम्मेलन की सेवा के लिए तैयार हो जाएगा।

मार्च माह में हमने होली का पर्व मनाया। पश्चिम बंगाल प्रादेशिक सम्मेलन ने होली के शुभ अवसर पर भक्ति रस से ओत-प्रोत ब्रज की होली कार्यक्रम साल्टलेक, कोलकाता के सेंट्रल पार्क मेला ग्राउंड में शानदार तरीके से संपन्न हुआ। वृंदावन के माधवास रॉक बैंड ने घंटों श्रोताओं को अपने गीत-संगीत पर थिरकने पर मजबूर कर दिया। अपने चिर-परिचित अंदाज में माधवास रॉक बैंड ने फूलों की होली के द्वारा कोलकाता शहर को होली का एक नया स्वाद परोसने में कामयाबी हासिल की। प्रांतीय अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अग्रवाल एवं उनकी पूरी ट ीम को उनके शानदार सफल आयोजन के लिए अनेक-अनेक बधाई। ऐसे ही एक अन्य शानदार कार्यक्रम जमशेदपुर में सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आयोजित हुआ। सम्मेलन के एक सिपाही के रूप में भाग लेकर मुझे हर्ष एवं गर्व महसूस हुआ। यह कार्यक्रम राजस्थान दिवस के अवसर पर 'आपणो राजस्थान' की पृष्ठभूमि में आयोजित किया गया। राजस्थान की विशिष्ट संस्कृति एवं लोक परंपरा का अत्यंत ही सुनियोजित ढंग से सुंदरता के साथ प्रस्तुति की गई। इस कार्यक्रम के सफलता के लिए झारखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सिंहभूम जिला अध्यक्ष श्री मुकेश मित्तल एवं उनकी पूरी टीम को हार्दिक बधाई। इस कार्यक्रम में भी हमारे परंपरागत गीत-संगीत ही प्रस्तुत किए गए, जिसका सभी ने भरपूर आनंद उठाया। खास बात यह है कि इन दोनों कार्यक्रमों में हजारों की संख्या में उपस्थित थी जो कि सम्मेलन के लिए एक खुशखबरी है।

इस माह के दौरान एक संयोग घटित हुआ। मैं इंदौर में रहने वाले मेरे एक पारिवारिक सदस्य श्री मधु कुमार जी सर्राफ से संपर्क के माध्यम से इंदौर में शाखा खोलने के लिए पिछले दो-तीन महीने से प्रयासरत था। इसी सिलसिले में मेरे विशेष अनुरोध पर कटनी के श्री शरद जी सरावगी इंदौर का दो बार दौरा किए। इंदौर के श्री बनवारी लाल जी जाजोदिया के माध्यम से वहाँ के समाज-बंधुओं से संपर्क किया गया। इसी सिलसिले में श्री अरुण चोखानी से संपर्क हो गया जो कि हमारे संस्थापक अध्यक्ष रायबहादुर रामदेव जी चोखानी के सुपौत्र हैं। इंदौर में अभी तक २० नए सदस्य बन चुके हैं, जिसमें चार विशिष्ट संरक्षक सदस्य हैं। मैं आशा करता हूँ कि इंदौर में शाखा खुलने से पूरे मध्य प्रदेश में सम्मेलन के प्रचार-प्रसार को गति मिलेगी।

लोकसभा चुनाव की भी घोषणा हो गई है। राजनीतिक चेतना कार्यक्रम के अंतर्गत देशव्यापी कार्यक्रम करने का सुझाव सभी प्रांत को प्रेषित कर दिया गया है। इस सिलसिले में हमारा सौभाग्य है कि राजस्थान पत्रिका समूह के प्रधान संपादक एवं प्रबुद्ध विचारक डॉक्टर गुलाब कोठारी का 'राजनीति में मरवाड़ियों की वर्तमान स्थिति' एवं अन्य सामाजिक विषयों पर विचार सुनने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि हमारी आवाज कमजोर इसलिए है, क्योंकि अंदर से हम बिखरे हुए हैं? इसी बिखराव का निदान करने के लिए ही सम्मेलन के वर्तमान सत्र का नारा 'आपणो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज' का प्रवर्तन किया गया है। अन्य समाज हमें सिर्फ मारवाड़ी समझता है, पर हम विभिन्न घटकों के रूप में स्वयं को देखते हैं। इसके लिए हमें सम्मिलित प्रयास की आवश्यकता है। सम्मेलन एवं समाज का प्रत्येक व्यक्ति इस नारे को सफल बनाने के लिए मनसा, वाचा, कर्मणा से संयुक्त होगा, तभी हम सफल हो पाएंगे। शाखा एवं प्रांतीय स्तर पर सक्रियता बढ़ी है पर अभी भी बहुत कुछ करना है। राष्ट्रीय कार्यालय से भेजे गए पत्रों में दी गई जानकारी एवं सुझावों पर आवश्यक कार्यवाही की नितांत आवश्यकता है। अतः सभी प्रांतों से सविनय आग्रह है कि कृपया इस ओर ध्यान दें और राष्ट्रीय कार्यालय द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों पर सजग होकर कार्रवाई करें।

बंधुओं, इस माह में हम नव विक्रम संवत २०८१ में प्रवेश कर रहे हैं। नवरात्रि, रामनवमी और हनुमान जयंती के पावन त्यौहार का पालन भी कर रहे हैं। इन सभी उत्सवों के उपलक्ष में सभी को मेरी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

आपणो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज!

शिव कुमार लोहिया

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति में भवन निर्माण संबंधित प्रस्ताव पारित

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति २०२३-२५) की तृतीय बैठक केंद्रीय कार्यालय सभागार में राष्ट्रीय अध्यक्ष **शिव कुमार लोहिया** के सभापतित्व में संपन्न हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया ने सभी सदस्यों का अभिवादन करते हुए सम्मेलन की गतिविधियों के बारे में संक्षेप में जानकारी दी। आगे उन्होंने उपस्थित सदस्यों से अनुरोध किया कि 'राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान', 'राजस्थानी भाषा साहित्य सम्मान' एवं 'राजस्थानी भाषा बाल साहित्य सम्मान' के लिए आप हमें नाम भेजें। श्री लोहिया ने उपस्थित सदस्यों को अपने प्रांतीय दौरों की विस्तार से जानकारी दी व वहां केसांगठनिक विकास के बारे में बताया। उन्होंने अपने १० प्रांतों कदे दौरे के लक्ष्य के बारे में बताते हुए कहा कि मैं इसे इस वर्ष पूरा कर लेने के लिए प्रयास रत हूँ और मुझे पूरा विश्वास है कि मैं यह कर पाऊँगा। अखिल भारतीय समिति कदी अगली बैठक सूरत में आयोजित होने की जानकारी उपस्थित सदस्यों को दी।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **नन्दलाल रूंगटा** ने तत्कालीन सत्र के कार्यों की प्रशंसी करते हुए कहा कि जो जितना अच्छा काम करता है उससे हमारी अपेक्षाएं उतनी अधिक बढ़ जाती हैं। उन्होंने अपना सुझाव देते हुए कहा कि समाज कदे सभी वर्ग के लोगों का सहयोग सम्मेलन की मूल भावना थी, उस पर हमें और काम करने की जरूरत है। आगे उन्होंने कहा कि छात्रवृत्त फण्ड को बढ़ाने पर हमें जोर देने की आवश्यकता है, उपस्थित सभी सदस्यों से अनुरोध किया कि हमें इसमें अनुदान करना चाहिए। प्रांतों को सुझाव देते हुए कहा कि जिस तरह से केंद्र विभिन्न विषयों पर संगोष्ठी का आयोजन व अन्य कार्यक्रम करता रहता है, वैसे ही प्रांतों को भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करते रहना चाहिए। राजस्थानी भाषा के प्रचार-प्रसार में सहायक पुस्तिका 'सहज राजस्थानी व्यकरण' को अद्यतन करवाने की आवश्यकता है, जिसे हमे अतिशीघ्र करवाना चाहिए।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **संतोष सराफ** ने वर्तमान सत्र की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कोलकाता के सम्मेलन भवन निर्माण के अब तक की प्रगति की जानकारी उपस्थित सदस्यों को दी। आगे उन्होंने कहा कि समाज में संबंध-विच्छेद के मामले तेजीसे बडे हैं, हमें विधुर, विधवा एवं पृथक रह रहे लोगों के पुन:स्थापना के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि एक उपसमिति बनाकर ऐसे लोगों का बायोडाटा संग्रहित कर उसका प्रचार-प्रसार कर, इसमें सहयोग का काम हम कर सकते हैं। हमें सम्मेलन व प्रांतों की योजनाओं के अत्यधिक प्रचार-प्रसार पर ध्यान देने की आवश्यकता है। आगे उन्होंने अपना सुझाव देते हुए कहा कि हमें नई शाखाएँ खोलने कीअपेक्षा ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाने पर जोर देना चाहिए। संस्कार-संस्कृति चेतना के माध्यम से हम सांस्कृतिक गिरावट को रोक सकते हैं, इस ओर और काम करने की जरूरत है।

राष्ट्रीय महामंत्री **कैलाशपति तोदी** ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति कदी पिछली बैठक (२४ दिसंबर २०२३) कोलकाता का कार्यवृत प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। उन्होंने पिछली बैठक के बात के सम्मेलन की गतिविधियों एवं भावी कार्यक्रमों पर महामंत्री की रपट प्रस्तुत की। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **केदार नाथ गुप्ता** ने २०२३-२०२४ का आय-व्यय का ब्यौरा सभा पटल पर रखा।

संगठन-विस्तार तथा प्रांतों की सक्रियता पर प्रभारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **राजकुमार केडिया** एवं दिनेश जैन ने अपना रपट प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया द्वारा भेजे गए रपट को पूर्वोत्तर के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष ओम प्रकाश खंडेलवाल तथा रंजीत जालान

की रपट को राष्ट्रीय महामंत्री श्री तोदी ने प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री **महेश जालान** ने संगटन से संबंधित रपट प्रस्तुत की एवं सम्मेलन द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर एक 'सिग्रेचर परियोजना' संचालित करने की अपील की।

उपस्थित प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश चंद काबरा (पूर्वोत्तर), नन्द किशोर अग्रवाल (पश्चिम बंग) ने प्रांत स्तर पर हो रहे कार्यों की जानकारी दी एवं अपने विचार रखे।

पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष बिनोद तोदी, कमल कुमार नोपानी (बिहार), ओम प्रकाश खंडेलवाल (पूर्वोत्तर) एवं उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान शाखाध्यक्ष सुरेश कमानी (कटक) ने भी अपने विचार व्यक्ति किए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया ने भवन निर्माण उपसमिति की बैठक में हुई चर्चा के मद्देनजर राजा राममोहन राय स्थित सम्मेलन भवन के निर्माण हेतु पहल का स्वागत किया। भवन निर्माण हेतु 'एस. आर. रुंगटा ग्रुप' ४.२५ करोड़ का अनुदान दे रहा है। 'एस. आर. रुंगटा ग्रुप' के सहयोग के प्रस्ताव का सम्मेलन कदी ओर से स्वागत किया एवं उनके प्रति आभार प्रकट किया। वहीं भवन निर्माण से जुड़े अन्य खर्चों के लिए सम्मेलन की निधि से ५० लाख रुपए तक की धनराशि खर्च करने के अधिकार हेतु राष्ट्रीय कार्यकारिणी के समक्ष प्रस्ताव रखा, जिसको सर्वसम्मति से पारित किया गया।

अंत में राष्ट्रीय महामंत्री श्री तोदी ने समाज से मिले प्रस्ताव को समिति के समक्ष रखा, जिसमें पहला था जयपुर एअरपोर्ट के नामकरण का, जिस पर सभी सदस्यों ने कहा कि सम्मेलन जयपुर एअरपोर्ट का नामकरण 'हनुमान प्रसाद पोद्दार' के नाम पर करने का प्रस्ताव केंद्रीय उड्डयन मंत्रालय व अन्य संबंधित संस्थानों को भेजे। दूसरा प्रस्ताव था चाँदी के सिक्के में राजा-रानी की जगह महापुरुषों, क्रांतिकारियों के चित्र अंकित करने का, जिस पर सर्वसम्मति से निर्णय हुआ कि रामलला, श्री कृष्ण, लक्ष्मी-गणेश, महाराणा प्रताप, लक्ष्मी बाई आदि के चित्र अंकित करने की अपील का एक पत्र संपूर्ण भारत के ऐसे कार्य से जुड़े सभी व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को सम्मेलन की तरफ से भेजना चाहिए।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल रूंगटा को सम्मेलन भवन निर्माण खर्च में पूर्ण सहयोग हेतु कार्यकारिणी समिति के सदस्यों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **दिनेश जैन** ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

बैठक में राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री संजय गोयनका, वित्त समिति चेयरमैन आत्माराम सोंथलिया, निवर्तमान राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दामोदर विदावतका, सुभाष केडिया, नरेंद्र तुलस्यान, गिरधारी लाल सराफ, शिव रतन फोगला, पवन बंसल, प्रदीप जीवराजका, रघुनाथ झुनझुनवाला, नन्दलाल सिंघानिया, विश्वनाथ भुवालका, संतोष खेतान, निर्मल काबरा एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

५०वीं वैवाहिक वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाई!

वैवाहिक वर्षगाँठ पति एवं पत्नी के लिए बहुत ही खास पल होता है। हँसी-खुशी जब कोई दंपत्ति अपनी ५०वीं वर्षगाँठ मना रहा हो तो उनका दाम्पत्य जीवन समाज को अनुप्राणित करता है। ऐसे ही सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ एवं उनकी सहधर्मिणी को उनके ५०वें वैवाहिक वर्षगाँठ १३ अप्रैल को सम्मेलन के पदाधिकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, महामंत्री कैलाशपति तोदी, संयुक्त महामंत्री पवन जालान, वित्त समिति के चेयरमैन आत्माराम सोंथलिया, निवर्तमान कोषाध्यक्ष दामोदर विदावतका ने बधाई दी।

सालों की शिक्षा के बावजूद भी बेरोजगारी के शिकार हैं युवा : डॉ. गुलाब कोठारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आयोजित 'राजनीति में मारवाड़ियों की वर्तमान स्थिति' पर एक संगोष्ठी राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया की अध्यक्षता में ६ अप्रैल को सम्मेलन के केंद्रीय सभागार में संपन्न हुई। इस सभा को संबोधित करते हुए प्रबुद्ध विचारक एवं राजस्थान पत्रिका के प्रधान संपादक डॉ. गुलाब कोठारी ने कहा कि समाज को संगठित होकर रहने की अत्यधिक आवश्यकता है। अपनी पहचान बनाने के लिए हमें अपने अंदर के बिखराव को दूर करना होगा। राजस्थानियों का देश के सभी भागों में महत्वपूर्ण सामाजिक एवं आर्थिक योगदान रहा है एवं वे जहाँ भी बसे हैं वहाँ पर अपने योगदान से स्थानीय समाज एवं स्थानीय प्रदेश को मजबूती प्रदान की है। उन्होंने आगे कहा कि अभी शिक्षा का मुख्य उद्देश्य नौकरी पाना एवं अपनी रोजी-रोटी कमाना हो गया है न की ज्ञान प्राप्त करना। अभी इंसान को इंसान बने रहना एक चुनौती हो गई है। हमारी शिक्षा पद्धति इस प्रकार से खड़ी की गई है कि हम अपने संस्कार-संस्कृति को भूल करके अंग्रेजी एवं अंग्रेजीयत को अपनाते जा रहे हैं। इस दिशा में हमें संशोधन करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के प्रथम में सम्मेलन की ओर से डॉ. कोठारी का स्वागत-सम्मान किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुमार लोहिया ने कार्यक्रम का आगाज करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल और देश के अन्य भागों में १९४६ से लेकर १९७७ तक विधायक या सांसद के रूप में समाज का प्रतिनिधित्व रहता था, किंतु आज वह प्रतिनिधित्व दिखाई नहीं दे रहा है। इस बारे में समाज को सोचना है और समाज किस तरह से स्थानीय समाज से जुड़कर के राजनीति में अपनी पैठ बनाएँ इसके बारे में सोचना है। उन्होंने इस बात की ओर ध्यान आकृष्ट किया कि एक सर्वे के अनुसार वर्तमान में जो १८-१९ साल के युवक हैं उनमें से सिर्फ ३८ प्रतिशत युवकों ने ही मतदाता के रूप में अपना पंजीकरण करवाया है। यह एक चिंता का विषय है। मतदान के प्रति नए युवकों की उदासीनता का कारण हमें समझना चाहिए।

सम्मेलन के राजनीतिक चेतना उपसमिति के चेयरमैन नंदलाल सिंघानिया एवं सेमिनार उपसमिति के चेयरमैन नरेंद्र तुलस्यान ने डॉ. कोठारी का परिचय दिया एवं कार्यक्रम के विषय में जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश जैन ने दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने किया। कार्यक्रम के दौरान पश्चिम बंगाल प्रादेशिक महिला मारवाड़ी सम्मेलन की नवनिर्वाचित अध्यक्ष विनीता अग्रवाल का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सराफ, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री पवन कुमार जालान, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदार नाथ गुप्ता, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री भानीराम सुरेका, वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन आत्माराम सोंथलिया, पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष नंद किशोर अग्रवाल, संयोजक राजनीतिक चेतना उपसमिति पवन बंसल, पश्चिम बंगाल प्रादेशिक महिला मारवाड़ी सम्मेलन की प्रदेश सचिव कंचन डोलिया, प्रदेश कोषाध्यक्ष नीलू अग्रवाल, बंशीधर शर्मा, जुगल किशोर जाजोदिया, हरि किशन चौधरी, जय प्रकाश सेठिया, रघुनाथ झुनझुनवाला, शंकर लाल कारिवाल, डॉ. विजय केजरीवाल, प्रदीप सिंघानिया, महावीर प्रसाद बजाज, घनश्याम सुगला, अमित कुमार कहाली, पीयूष केयाल, प्रवीण जैन, राजेंद्र प्रसाद मोदी, मोहन लाल पारीक, अरविंद मुरारका, प्रदीप जीवराजका, प्रमोद जैन, विनीत शर्मा, अंशुमन सेठ, अनूप अग्रवाल, सज्जन बेरीवाल, राजीव कुमार अग्रवाल, सुभाष चंद गोयनका, विष्णु अग्रवाल, शिशिर शर्मा, भुवनेश जैन, आकाश पोद्दार, जितेंद्र शर्मा, अरुण शर्मा, पुरुषोत्तम अग्रवाल, गोपाल मोहन केडिया, गोपाल अग्रवाल, नथमल भीमराजका, प्रदीप कुमार तोदी, शरद श्रॉफ, प्रकाश चंद नाहर, नवीन खेमका, सीताराम अग्रवाल, शशि कांत शाह, महावीर प्रसाद बजाज, अरुण प्रकाश मल्लावत, ओम प्रकाश बांगड़, आनंद कुमार शर्मा, हरीश कुमार शर्मा, भागीरथ सारस्वत, रोहित मोर, जगदीश अशोक पुरोहित, नथमल भीमराजका, शिशिर शर्मा, ओम प्रकाश बांगड़ उपस्थित थे।

IAC
SINCE 1959

ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab

POWERING 35 NATIONS ACROSS THE WORLD

IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959

PRODUCTS & SERVICES OFFERED:

- Transmission line and substation insulator fittings up to 1200 kV AC and 800 kV HVDC
- Conductor and groundwire accessories
- HTLS conductor accessories and Sub zero hardware fittings
- OPGW cable fittings
- Pole/Distribution line hardware
- AB Cable and ADSS cable accessories
- Substation clamps and connectors
- Conductor, Insulator and hardware testing facility

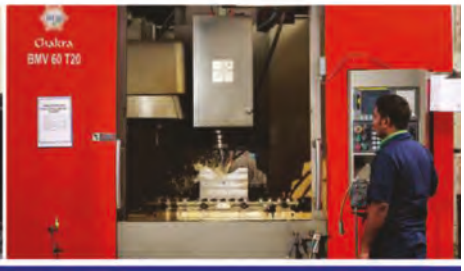

Transmission line and distribution line hardware fittings,
IEC/ISO 17025/2015 NABL accredited laboratory for conductor, insulator and hardware fittings type testing.

www.iacelectricals.com info@iacelectricals.com

701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

Introducing

nouriture

New thinking that heralds the journey to progress

Nouriture is here to usher in a new era of livestock farming through new products, technologies and services. Building on its heritage of 19 years under the name Anmol Feeds, its range includes easily digestible Poultry, Fish, Cattle and Shrimp Feed. Nouriture produces superior quality poultry feed under three different brand names that are nutritious and accelerates growth of poultry. Indeed, with the advent of Nouriture, Indian livestock farming is all set for a revolution. So choose Nouriture, choose progress.

HIGH YIELD | PROMOTES ANIMAL HEALTH | MANUFACTURED USING MODERN FORMULATION

POULTRY FEED | FISH FEED | SHRIMP FEED | CATTLE FEED

Scan to visit website

Manufactured & Marketed by:
ANMOL FEEDS PVT. LTD.

Toll free number:
1800 3131 577

Unit No. 608 & 612, 6th Floor, DLF Galleria, New Town, Kolkata-700156, West Bengal
P +9133 4028 1011-1035 E afpl@nouriture.in W www.nouriture.in

खुद मतदान करें, दूसरों को भी करें प्रेरित : श्री लोहिया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं राजस्थान परिषद व पारीक सभा के संयुक्त तत्वाधान में 'मतदान में भागीदारी का महत्व' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन बड़ाबाजार के पारीक भवन में राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। प्रसिद्ध शिक्षाविद दुर्गा व्यास ने अपना वक्तव्य रखते हुए कहा अगर हम मतदान नहीं करते हैं तो हमें हक नहीं कि हम सरकार की कमियों को गिनाएँ। जब हम किसी प्रतिनिधि को चुनने जाएँ तो हम यह देखें कि नेता कितना दृढ़ है, उसके चारित्र्य विशेषताओं पर दृष्टि डालें, उसका पता करें, उसमें नेतृत्व क्षमता है की नहीं, उससे भविष्य में क्या आशाएँ की जा सकती हैं। आज जब नैतिकता का पतन चरम पर है, उसके नैतिक आचरण को देखकर ही हम उसे वोट करें। हमें यह भी देखना चाहिए कि कौन सी विचारधारा, कौन सा नेतृत्व देश को आगे ले जाने में सक्षम है, उसे वोट करें। आस-पास में जिसका वोटर लिस्ट में नाम न जुड़ा हो कोई परेशानी आ रही हो तो उसका सहयोग कर हम लोकतंत्र को मजबूती देने का कार्य कर सकते हैं।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी ने कहा कि आज नेता शब्द बहुत भ्रामक हो गया है, जबकि नेता शब्द नेत्र से बना है। समाज में अच्छा या बुरा जो भी हो रहा होता है, सबसे पहले नेता को संवेदित करता है और नेता उसका अंकन करता है। हमें वोट देने के पहले यह चिंतन कर लेना चाहिए कि हम जिसको चुनने जा रहे हैं उसके ओजस्विता, चारित्र्य, नेतृत्व, चिंतन का आंकलन कर ही वोट दें। उन्होंने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि लोग १७ वोट देकर गर्व भाव से कहते थे कि मैंने १७ वोट डाले। पहले से स्थितियाँ बदली हैं, पर अभी और भी बदलने की जरूरत है। उन्होंने कवि चंद्रदेव सिंह की चुनाव पर लिखी कविता सुनाकर बताया कि किस तरह प्रांतीय भाषाएँ चुनाव को आंदोलित करती रही हैं। हम यहाँ लंबी तकरीर तो करें पर वोट न दें ऐसा नहीं होना चाहिए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने कहा कि सम्मेलन की स्थापना के मूल में अंग्रेजों द्वारा बनाए जा रहे प्रवासी को मतदान से वंचित कर देने वाले कानून के विरोध में हुआ था। यह काला कानून सम्मेलन के प्रयास से १९३५ में बनने से रुक गया। पश्चिम बंगाल और देश के अन्य भागों में १९७७ तक विधायक या सांसद के रूप मे समाज का प्रतिनिधित्व रहता था, किंतु बाद के दिनों में इसमें उत्तरोत्तर ह्रास हुआ है। आज बंगाल में राज्य सभा की १६ सीटें हैं, उसमें अपने समाज का छोड़ दीजिए कोई एक भी हिंदी भाषी समाज का नहीं है। इस बारे में समाज को सोचना होगा। देखने में आता है कि हिंदी पट्टी इलाकों में वोट का प्रतिशत कम रहता है। गणतंत्र की विफलता का मुख्य कारण सजगता की कमी है। जब हम वोट के प्रति उदासीन होंगे तो हमारी बात में मजबूती नहीं होगी। मतदान के प्रति नए युवकों की उदासीनता के कारण को हमें समझने की आवश्यकता है। अंत में उन्होंने कहा कि मतदान के प्रति हम खुद सजग हों और साथ में अपने आस-पास के लोगों को भी प्रोत्साहित करें। कोई समस्या हो तो चुनाव आयोग के CVIGIL एप का व्यवहार कर शिकायत दर्ज करवाएँ।

सम्मेलन के राजनीतिक चेतना उपसमिति के चेयरमैन नंदलाल सिंघानिया ने कार्यक्रम के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि जाग्रति एवं वोट देने हेतु जागरूकता के लिए हम कार्यक्रम करते रहे हैं और कर रहे हैं। देश में वोट देने में जागरूकता तो आई है और भी जागरूकता की जरूरत है, जिसे हमें और आपको मिलकर करना है। उन्होंने लोगों से कहा कि यदि आपको कहा जाए कि आपका नाम वोट लिस्ट में नहीं है तो आप उसका विरोध करें वहाँ टेंडर वोटिंग की सुविधा होती है और आपका वोट लिया जाएगा।

सर्वप्रथम सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने सम्मेलन से संचालित स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार एवं व्यापार प्रकल्पों एवं साथ में सम्मेलन की संक्षिप्त जानकारी उपस्थित लोगों को दी। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री तोदी द्वारा किया गया।

संगोष्ठी के प्रमुख वक्ता डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी एवं श्रीमती दुर्गा व्यास का दुपट्टा व शाल भेंटकर सम्मान किया गया। साथ में माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष बुलाकी दास मीमाणी का दुपट्टा भेंटकर सम्मान किया गया।

राजनीतिक चेतना उपसमिति के संयोजक पवन कुमार बंसल एवं पारीक सभा, राजस्थान परिषद की ओर से धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री पवन कुमार जालान, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदार नाथ गुप्ता, अरुण प्रकाश मल्लावत, पीयूष केयाल, सज्जन बेरिवाल, सुशील कुमार चौधरी, ज्योति पारीक, साक्षी जोशी, विष्णु पारीक, बाबूलाल पारीक, मदनलाल जोशी, अशोक पुरोहित, ओम प्रकाश जोदट, राम रतन अग्रवाल, नथमल पारीक, प्रभुदयाल पारीक, राजाराम बिहानी, सत्यनारायण तिवाड़ी, राजेश नागोरी, नंदकुमार लढा, पवन कुमार पारीक, कृष्ण कुमार शर्मा, कपिल जोशी, रोहित व्यास, सुरेश कुमार बांगड़ी, गोपाल बंका, भागीरथ सारस्वत, श्रीमोहन तिवारी, अभिजीत सिंह, विजय पारीक, विवेक तिवारी, सांवरमल पारीक, गोपाल कृष्ण बोहरा, गोपाल शर्मा, राजेश कुमार जायसवाल व अन्य उपस्थित थे।

राष्ट्रीय शीर्ष नेतृत्व के पूर्वोत्तर भ्रमण पर सरसरी नजर

– रमेश कुमार चांडक
उपाध्यक्ष (मुख्यालय), पूर्वोत्तर

भूमिका : जनजागरण के साथ संगठित समाज की संरचना को और मजबूत करने तथा विचार-मंथन से अमृत तत्व प्राप्त करने की सार्थक धूरी है, शाखाओं में पदाधिकारियों का भ्रमण। हाल ही में दिनांक २४ से २९ फरवरी २०२४ के दौरान छह दिवसीय तूफानी पूर्वोत्तर भ्रमण में १७०० किलोमीटर की सड़क मार्ग से यात्रा करते हुए राष्ट्रीय शीर्ष नेतृत्वकर्ता सम्मेलन शाखाओं के माध्यम से पूर्वोत्तर समाज में जनजागरण कर सुंदर समाज की रचना में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए हम सभी को प्रेरित किया।

मंतव्य : राष्ट्रीय अध्यक्ष जी एवं महामंत्री जी सधे हुए अंदाज में मारवाड़ी भाषा में बोलते रहते और ये मायड़ भाषा की ताकत है, समाज घंटों उन्हें दिल से सुनते रहता था। राष्ट्रीय शीर्ष नेतृत्व के उद्बोधनों में समस्याओं पर नहीं समाधान की बातों पर छोटे-छोटे उदाहरणों के साथ अपनी बातों से समाज बंधुओं के अन्तर्मन को जागृत किया। उनके उद्बोधन से जो सार मैंने ग्रहण किया उसे शब्द देने का प्रयास कर रहा हूँ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया के सारगर्भित संबोधन में आधुनिक युग में हम अपने इन गुणों को क्षीण करते जा रहे है, सिर्फ उपार्जन की भागम-भाग में समय व्यतीत हो रहा है, हमने हमारी संस्कृति से किनारा करना शुरू कर दिया। मायड़ भाषा में बोलचाल आज-कल शर्म का विषय बनता जा रहा है। अंग्रेजी जानना बड़े माध्यम को तैयार करना मात्र था, लेकिन इसका व्यवहार करते-करते हमने अपनी भाषा को गौण कर दिया। भाषा ही संस्कृति की पोषक एवं संवाहक है। कहावत है **'जैसा खायेंगे अन्न, वैसा ही होगा मन' वैसे ही 'जैसी होगी भाषा, वैसी ही बनेगी परिभाषा'**। ऐसे में दूषित परिवेश के परिणाम समाज के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव बनाएँगे ही। उन्होंने अपनी मायड़ भाषा तथा अपनी संस्कृति के लोकगीत का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए इन लोकगीतों के एक एक शब्द के अमृत्व का रसास्वादन लेते हुए अन्य भाषा से तुलनात्मक अध्ययन कर देखने का अनुरोध किया। अपनी मायड़ भाषा की ताकत और सामर्थ्य के सामने दूसरी भाषा कहीं नहीं टिकती। जिसके एक शब्द के उपयोग मात्र से हम पूरे वाक्य का सार समझा देते हैं। जहाँ भाषा के व्यवहार में पतन आरंभ हुआ, वहाँ-वहाँ संस्कृति, संस्कार, रीति-रिवाज तथा परंपरा में भी शनैः-शनैः गिरावट होने लगी है।

हर जगह प्रदूषण ही प्रदूषण फैला हुआ है, संगठित परिवार में ह्रास, एकल परिवार में बढ़ोतरी, अब तो न्यूक्लियर फैमिली का चलन भी जोरों पर है। हम दो हमारे दो से तरक्की करते हुए न जाने कब हम, हम दो हमारे एक की लय में उतरते चले गए। भोग विलास की संस्कृति ने आडंबर रूपी कदम अंगद की भांति जमाने शुरू कर दिए हैं, क्षणिक सुख के लिए पैसों का दुर्व्यवहार हमें अन्य समाज की नजर में नीचे गिराता है।

आडंबर से लगाव का कारण, समाज की लाईलाज बीमारी है, जिसका नाम है 'लोग क्या कहेंगे?' इस बात की सभी को फिकर है, परंतु इसके कारण समाज के अन्य परिवार पर क्या फर्क पड़ता है इससे हम बेपरवाह है। धर्म-कर्म, ध्यान-स्नान, पूजा-पाठ में विश्वास रखने वाला हमारा समाज, सोलह संस्कारों में से एक महत्वपूर्ण संस्कार पाणिग्रहण संस्कार के साथ मद्यपान भला कैसे परोस सकता है। विडंबना ये है कि ऐसा देखना अब आम बात होने लगी है। नजर नीचे रखेंकर सम्मान जताने वाला हमारा समाज, बेशर्मी का पर्दाफाश कर प्रि-वेडिंग सूट करवाकर कैसे इतराता है। विवाह शादी पर सड़कों पर सड़क छाप की तरह ठुमके लगाती बहन-बेटियों से संस्कारित होने की परिभाषा रखना कहाँ तक लाजमी है। हल्दी उबट न पर दोस्तों द्वारा हल्दी घोलकर दूल्हा-दुल्हन को होली खिलाना, बियर से नहलाना, सैम्पेन खोलना आदि रीति-रिवाज, मान्यताओं का माखौल उड़ाना है। शादी से पारंपरिक रीति-रिवाजों का गधे के सिंग की तरह गायब हो जाना। जिस कार्य के लिए सभी जश्न मना रहे होते हैं वो काम ही गौण हो जाना, फेरों में मुहूर्त पर नहीं बैठना तथा वैदिक मंत्रोच्चारण के स्थान पर म्यूजिकल फेरों का प्रचलन समाज की दिशाहीनता का सूचक है।

बड़े बुजुर्ग अब संपत्ती नहीं होकर वे बोझ समझे जाते हैं तभी तो वृद्धाश्रम पनपने लगें हैं। अब तो कई परिवारों में बुजुर्गों पर हाथ उठाने की घटनाएँ भी सामने आने लगी हैं। मंचों से जन-जागरण हो सकता है, परंतु निवारण, प्रतिकार की आवाज हमें ही उठानी होगी। स्वयं को समाज-सुधार के उदाहरण के रूप में प्रस्तुत कर ही समाज को स्वच्छ बनाया जा सकता है। बच्चों में संस्कार डालने की उम्र उसका बचपन है न कि युवा अवस्था। बच्चों के साथ अच्छा खासा समय बिताना होगा, आदर्शवान व्यक्तित्व एवं आदतों को पढ़ाना व सीखाना होगा, सिर्फ राम की पूजा करने से भला नहीं होने वाला, राम तत्व भी बच्चों में विद्यमान करने होंगे, तभी समाज बचेगा, संस्कृति बचेगी।

ऐसी अनेक सार-गर्भित बातों से राष्ट्रीय नेतृत्व ने सरल भाव से जन-जागरण करते हुए बताया कि शृंखलाबद्ध तरीके से जनजागरण करने, अभियान चलाने, चौपाल लगाने, विचार गोष्ठियाँ, बाल-संस्कार शिविर, कुंवारी प्रशिक्षण कार्यशाला, हैप्पी हेल्दी रिलेशनशिप आदि समसामयिक विषयों पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित करनी होगी। उन्होंने अक्सर इसी बात पर जोर दिया कि समाज में बदलाव संगति का असर है, **"जहाँ सुमति तहाँ संपति नाना; जहाँ कुमति तहाँ बिपत्ति निदाना"**। आज परिवार में एक दूसरे के साथ व्यतीत करने को, आपस में विचार-विमर्श करने, मन की बातों को शेयर करने हेतु। समय अभाव में पैरेन्टिंग में आ रही कमी साफ झलकती है और हम बच्चों पर दोषारोपण करते हैं। समय हमारे पास बच्चों को देने के लिए नहीं है, परंतु बच्चों से बड़े-बड़े सपने पूरे करने के ख्वाब जरूर पाले बैठे हैं। रही बात संस्कार व संस्कृति की तो ये शिक्षा स्कूल के पाठ्यक्रम से नदारद हैं। आदर्श बातें बच्चे, माता-पिता एवं घर के बड़े-बुजुर्ग से सीखते थे। रिश्तों में लगाव के गिरते स्तर ने परिवार के प्रति संवेदना को कमजोर किया है, और क्षणीक सुख जहाँ

से मिलता है वहीं समर्पित हो जाता है और संगति की सृष्टि होती है।

उन्होंने हमारे समृद्ध एवं संपन्न समाज की पीढ़ी दर पीढ़ी से चली आ रही विशेषता, गुणवत्ता पर हमेशा प्रकाश डाला, मायड़ भाषा में बोलचाल तथा भाषा का ज्ञान होना नितांत जरूरी है। अगर, यहाँ हमारी पकड़ ढीली होती है तो संस्कृति, संस्कार, रीति-रिवाज, परंपरा की डोर छुटती चली जाती है। पीसी हुई चीनी और साथ ही रखा पीसे हुए नमक में अंतर बताना मुश्किल हो जाता है, इसे जानने का सहज मार्ग है उसका स्वाद पता करना। जब तक वो जुबान पर नहीं आता, उसके गुण-दोष धर्म का पता नहीं चलता, इसी प्रकार मायड़ भाषा जब तक हमारी जुबान पर नहीं आती, तब तक इसके गुण, दोष धर्म से कैसे परिचय होगा, इसके स्वाद का जायका कहाँ से आएगा। और जायके का ही पता नहीं तो संस्कृति, रीति-रिवाज, परंपरा, संस्कार की खिचड़ी कहा से पकेगी। अप्रवासी मारवाड़ी समाज को स्थानीय समाज के साथ मिल-जुलकर अपनी संस्कृति के साथ-साथ उनकी संस्कृति का सम्मान तथा व्यवहार, दो संस्कृतियों में सेतु का कार्य कर, एक दूजे के पूरक का भाव पैदा करना भी अति आवश्यक है। आज के युवा को जागरूक करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है, क्योंकि समाज की दशा और दिशा दोनों उसके हाथ में है। ये सही है कि युवा शक्ति राष्ट्र शक्ति है, परंतु राष्ट्र शक्ति तभी है जब वह समाज शक्ति बन कर उभरे, समाज सशक्त होगा तो राष्ट्र स्वतः ही मजबूत हो जाएगा।

जागरूक बनाना सम्मेलन का कार्य है जिसे निरंतरता से जारी रखना, हम सभी का धर्म है। समाज की अन्य बहुत सारी समस्याओं पर गहन विचार-विमर्श हुआ तथा जन-जागरण अभियान तेज कर अनावश्यक कार्य जैसे आजकल के विवाह में फुहड़ता, रीति-रिवाज का रूप अख्तियार कर रही हैं को सुधारने के लिए युवाओं को आगे आने के लिए प्रेरित करना होगा। सामाजिक कार्यकर्ता को स्वयं को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत कर समाज का मार्गदर्शन करने से ही सुंदर समाज की रचना को बल मिलेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष के संबोधन में रोजाना सुनता रहा कि 'जीवन पर्यंत खुशियाँ बटोरने में गुजार दी, आखिर में पता चला कि खुशीयाँ तो बाँटने में मिलती है।" इस बात से अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में उन्होंने समाज को बहुत सी बातों को छोटे-छोटे उदाहरणों से खूब समझाया। मारवाड़ी समाज के भवन होते हुए सम्मेलन के कार्य होटलों में करने पर सचेत करते हुए उन्होंने कहा कि हम ही यदि समाज की बनायी संपत्ति भवनों का उपयोग नहीं करेंगे तो हमारे बच्चे कैसे समाज की धरोहर पर गर्व करेंगे।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाश पति तोदी : अपने उद्बोधन में सम्मेलन की सांगठनिक शक्ति का विवरण विस्तार से रखते हुए समाज की सम्मेलन से आशा एवं आकांक्षा के कई उदाहरण देते हुए बताया करते कि सम्मेलन की सदस्यता ग्रहण करने से आपका संबंध राष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़ता है। उन्होंने मुसीबत के समय कोलकाता के केडिया परिवार के साथ छापरमुख के श्री विकास अग्रवाल तथा नोगाँव शाखा के रचनात्मक सहयोग की मुक्त कंठ से सराहना की। ये सम्मेलन परिवार की ताकत ही है जो हमें सब काम छोड़कर मुसीबत जदा की सहायतार्थ प्राथमिकता से खड़ा करता है। राष्ट्रीय कार्यालय के कार्यकलापों का विवरण देते हुए डिजिटलीकरण करने का कार्य संपादित होने तथा सभी डाटा तैयार कर सम्मेलन की वेबसाइटके माध्यम से समाज के अवलोकनार्थ प्रस्तुत होने की जानकारी देते हुए इसमें सदस्य अपने डाटा को स्वयं अपडेट कर सकने की सुविधा की जानकारी देते हुए एक बार वेबसाइट का मुआयना करने का अनुरोध किया, जिससे सम्मेलन द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में दी जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त हो सकती है तथा समाज के जरूरतमंद परिवारों की विभिन्न क्षेत्रों में मदद की जा सकती है। उच्च शिक्षा हेतु दी जा रही सुविधाओं की जानकारी साझा की। सम्मेलन द्वारा दूर्लभ साहित्य संकलन कर लाइब्रेरी के माध्यम से सदस्यों के घर बैठे रिसर्च हेतु पढ़ने की निःशुल्क सुविधा भी उपलब्ध है। समाज के युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार समाज की विभिन्न कंपनियों में काम दिलाने के कार्य में भी वृद्धि हुई है। सम्मेलन द्वारा अभी तक ३०० युवाओं को काम उपलब्ध करवाकर रोजगार से जोड़ा गया है। उन्होंने सम्मेलन के विस्तार की योजना को साझा करते हुए बताया कि जिस प्रदेश में सम्मेलन नहीं है वहां सम्मेलन को विस्तार देने तथा नवीन शाखा खोलने के सार्थक प्रयास के साथ भ्रमण कार्यक्रम जारी है।

प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा : सभी शाखा सभाओं में अपने विशेष अंदाज में संबोधित करते हुए महिला छात्रावास में सहयोगी बनने, स्थानीय भाषा व संस्कृति से सामंजस्य तथा लगाव बढ़ाने व समसामयिक सामाजिक समस्याओं पर अपने विचारों को गंभीरता से रखते हुए सभी से चिंतन-मनन करते हुए सम्मेलन के माध्यम से समाज में जन-जागरण लाने में रचनात्मक भूमिका निभाने के प्रति आह्वान किया।

उल्लेखनीय कार्य : गुवाहाटी बैठक में महिला छात्रावास के लिए समाज बंधुओं ने आगे बढ़कर स्वैच्छिक सहयोग राशि की घोषणा कर प्रकल्प को गति प्रदान की। कामरूप शाखा द्वारा अपनी त्रै-मासिक पत्रिका के तृतीय अंक का विमोचन कराया। नवीन शाखा के रूप में जागीरोड शाखा का गठन २५ आजीवन सदस्यों के साथ तथा एक बहन को त्वरित कार्यक्रम के दौरान सम्मेलन परिवार से जोड़ा गया। जागीरोड शाखा में उर्जा का संचार करते हुए गुवाहाटी की कामरूप शाखा ने संयुक्त रूप से प्रथम सेवा प्रकल्प को मुर्त रूप देते हुए दो आर.आ. वाटर फिल्टर मशीन श्री दिनेश गुप्ता एवं श्री संतोष अग्रवाल के सौजन्य से श्री हनुमान मंदिर एवं श्री शिव मंदिर परिसर में लगाने हेतु भेंट की। डिब्रूगढ़ में वरिष्ठ समाजसेवी तथा सुप्रसिद्ध साहित्यकार श्री देवी प्रसाद जी बगड़ोदिया के निवास पर भेंट वार्ता तथा पुराने साहित्य तथा वस्तुओं के संकलन का निरीक्षण किया। नार्थ लखिमपुर में शाखा द्वारा दो असहाय महिला को सुदृढ़ बनाने की पहल करते हुए श्री राजेश मालपानी के सौजन्य से दो सिलाई मशीन भेंट की गई। तेजपुर में श्री सुरेश सिरोहिया की प्रथम कविता संग्रह रूपी पुस्तक **'छू लो आसमान'** का विमोचन राष्ट्रीय नेतृत्व ने किया तथा वहीं मंडल की शाखाओं में तेजपुर, खारूपेट ीया, ढेकियाजुली, विश्वनाथ चाराली तथा कालियाबोर शाखाओं में कुल ३५ आजीवन सदस्यों को शपथग्रहण करवा कर सम्मेलन परिवार से जोड़ा गया। नगाँव में बरपेटा रोड में समाज के विशिष्ट व्यक्तित्व, सुप्रसिद्ध समाजसेवी तथा साहित्यकार स्वर्गीय जी एल अग्रवाल की मुर्ती का अनावरण असम के माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमन्त विश्व सरमा जी के करकमलों से हुआ। प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा की अगुवाई में माननीय मुख्यमंत्री जी का प्रांत एवं राष्ट्रीय शीर्ष नेतृत्व द्वारा अभिनंदन किया तथा समारोह में अंश ग्रहण किया। बोंगाईगाँव शाखा ने नवीन महिला शाखा का शपथग्रहण करवाकर कुल ९५ आजीवन सदस्यों को तथा अपनी निजी शाखा में १३ आजीवन सदस्यों को शपथग्रहण करवाकर सम्मेलन परिवार में बढ़ोतरी की तथा कीर्तिमान भी स्थापित किया तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष

के दौरे को अभूतपूर्व रूप से सफल बनाने में महती भूमिका निभाई। सभी स्थानों पर शाखाओं के वरिष्ठ समाजसेवी, साहित्यिक प्रतिभा का राष्ट्र की ओर से प्रशस्ति-पत्र भेंटकर अभिनंदन किया गया। राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा छात्रावास में अनुदान के रूप में सहयोगी बन कर आगे आए समाज-बंधुओं का गुवाहाटी, जोरहाट तथा नगाँव में अभिनंदन किया गया।

सारांश : राष्ट्रीय शीर्ष नेतृत्व के साथ छह दिवसीय पूर्वोत्तर भ्रमण के सार की बात करूं तो पूर्वोत्तर के चार राज्यों में फैले सम्मेलन में मेघालय, असम तथा अरुणाचल प्रदेश में भ्रमण संपादित हुआ, समय व भूगोलीय परिस्थितियों व टूर प्लान के रोड मैप से नागालैंड में इस बार जाना नहीं हो पाया। इस क्रम में कुल ०९ शहर/नगर में से शिलांग, गुवाहाटी, जागीरोड, जोरहाट, डिब्रूगढ़, तिनसुकिया, नार्थ लखिमपुर, तेजपुर तथा बोंगाईगाँव में बड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा नगाँव, मोरानहाट, धेमाजी, बंदरदेवा, बरपेटारोड में छोटी बैठकें संपादित हुई। पूर्वोत्तर की ६४ शाखाओं में से कुल ५० शाखाओं के द्वारा सभी स्थानों पर मारवाड़ी समाज की विभिन्न संस्थाओं ने भी राष्ट्रीय शीर्ष नेतृत्व का अभिनंदन स्वागत किया। कई शाखाओं में प्रथम बार राष्ट्रीय अध्यक्ष के पधारने पर समाज में उत्साह देखा गया। सभी बैठकों में उन्मुक्त सत्र आयोजित किया गया, जिसमें आपसी संवाद एवं विचारों का आदान-प्रदान हुआ, साथ ही साथ समाज-बंधुओं की जिज्ञासाओं एवं सवालों का जबाब दिया गया। सदन में आए अच्छे सुझावों पर राष्ट्रीय सभाओं में विचार हेतु चर्चा किए जाने के प्रति आश्वस्त किया।

जय राष्ट्र, जय समाज, जय सम्मेलन!

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा का राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने लहरिया दुपट्टा से सम्मान किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का दौरा : एक अनुभव

करीब चार दशक तक राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ शाखा स्तरीय कार्यकर्ताओं का मिलन नहीं होना या प्रत्यक्ष संवाद नहीं होना कितना नुकसानदेह रहा, इसका भी एहसास हुआ। एक साधारण स्तर के कार्यकर्ता की भावना को स्पष्ट शब्दों में इस तरह कहा जा सकता है कि राष्ट्रीय नेतृत्व क्या होता है, कौन है, कैसे हैं के बारे में न्यूनतम भी सोच नहीं थी। दौरे की सभा में उपस्थिति के बाद लगा राष्ट्रीय स्तर पर हमारा भी कोई सिरमौर है।

शिक्षा-कोष, छात्रवृत्ति, रोजगार, सदस्यता विकास, सामाजिक संस्कार, सामाजिक संगठन की शक्ति, वृद्धि आदि विभिन्न क्षेत्रों पर राष्ट्रीय कार्यालय भी ठोस प्रयास कर रहा है यह जानकारी और एहसास सुकून दायक है।

– उमेश खंडेलिया, धेमाजी

असम दौरे पर आई प्रतिक्रिया

अभूतपूर्व उपस्थिति तथा ओजस्वी वाणी से राष्ट्रीय सिरमौर श्री शिव कुमार जी लोहिया का प्रेरणादायी मंत्र-मुग्ध करने वाला तकरीबन ६४ मिनट (एक घंटे) का संबोधन। लाजवाब वक्ता और लाजवाब श्रोता। पीन ड्रॉप साइलेंस बताती है, यहाँ का समाज कितना जागरूक है।

– रमेश चांडक, पूर्वोत्तर प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय)

हम सभी तेजपुरवासियों के सहयोग से तेजपुर में मारवाड़ी सम्मेलन के शाखा का गठन हुआ। सम्मेलन का सदस्य बनने के बाद सम्मेलन को समझने का काफी प्रयास किया, पर सम्मेलन को समझ नहीं पाया। फिर सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सचिव का तेजपुर में आगमन हुआ और उनको सुनने का अवसर मिला। सम्मेलन के कार्यों और उद्देश्यों के बारे में जाना। सम्मेलन मारवाड़ी समाज के उत्थान, प्रगति, संस्कृति, शिक्षा के लिए बहुत सारे सेवा कार्य कर रहा है। इससे सम्मेलन के प्रति नजरिया बदला है और सम्मेलन का सदस्य होने पर खुशी की अनुभूति हो रही है।

– राजेश जालान, तेजपुर

करीब डेढ़ घंटे के विलंब से कार्यक्रम आरंभ हुआ। अब तक एहसास हो गया था कि राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार जी लोहिया व महामंत्री कैलाशपति तोदी पद अहंकार से परे एक सहज-सरल व मिलनसार संगठक हैं। हल्की-फुल्की मिठास भरी चुटकियों के सहारे श्रोता व कार्यकर्ताओं के साथ सहज-संबंध स्थापना उनकी अन्यतम विशेषता है।

– उमेश खंडेलिया, धेमाजी

मुझे मारवाड़ी होने पर गर्व है। मेरा यह मानना है कि अगर कोई संस्था मारवाड़ी समाज को आगे ले जाती है और अपने संस्कारों से आने वाली पीढ़ी को जागरूक करने में मदद करती है तो हम सभी मारवाड़ियों को इससे जुड़ने में संकोच नहीं करना चाहिए।

– रेखा बरमेचा

सम्मेलन समाचार

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व वरिष्ठजन से मार्गदर्शन व आशीर्वाद

होली के पावन अवसर पर अभिनव पहल के अंतर्गत राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया के नेतृत्व में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सीताराम शर्मा व उनकी धर्मपत्नी आशा शर्मा, हरिप्रसाद कानोडिया, राम अवतार पोद्दार, पद्म श्री प्रह्लाद राय अगरवाला व उनके अनुज कुंजबिहारी अगरवाला, संतोष सराफ एवं वित्त समिति के चेयरमैन आत्माराम सोंथलिया से मिलकर एवं नंदलाल रूंगटा और गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया से फोन वार्तालाप कर होली के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश जैन, महामंत्री कैलाशपति तोदी, संयुक्त महामंत्री द्वय पवन कुमार जालान, संजय गोयनका, कोषाध्यक्ष केदार नाथ गुप्ता ने आशीर्वाद व मार्गदर्शन प्राप्त किया।

झलकियाँ

राष्ट्रीय अध्यक्ष के पूर्वोत्तर दौरे की झलकियाँ

पूर्वोत्तर दौरे पर आए राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ प्रांतीय पदाधिकारियों ने गुवाहाटी में माँ कामाख्या का दर्शन किया।

पूर्वोत्तर प्रांतीय सम्मेलन द्वारा गुवाहाटी में निर्माण हो रहे गर्ल्स हॉस्टल का राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री एवं प्रांतीय पदाधिकारीगण ने परिदर्शन किया।

राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों ने तिनसुकिया अवस्थित संग्रहालय का परिभ्रमण किया।

राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों ने धेमाजी शाखा के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर विचार-विमर्श किया।

राज भवनों में मना राजस्थान दिवस

मारवाड़ियों ने व्यापार एवं उद्योग के क्षेत्र में अमिट पहचान बनाई : राज्यपाल आर्लेकर

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की पटना नगर शाखा द्वारा बिहार राज भवन में ३० मार्च को महामहिम राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर की अध्यक्षता में बिहार में पहली बार राजस्थान दिवस को बड़े धूमधाम से मनाया गया। महामहिम राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि मारवाड़ियों की व्यवहार कुशलता, सहनशीलता, व्यापार एवं उद्योग के क्षेत्र में अमिट पहचान बनाई है, उससे ऊपर उठकर आपकी मानव-सेवा, समाजसेवा में बहुमूल्य भागीदारी है। मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष युगल किशोर अग्रवाल ने समाज को राजस्थान दिवस पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी।

कार्यक्रम में राजस्थानी नृत्य पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम का सफल आयोजन आशीष आदर्श के संचालन में किया गया। जिसकी प्रशंसा सभी माननीय एवं उपस्थित समाज-बंधुओं और बहनों ने की।

इस कार्यक्रम में पटना के राजस्थानी समाज के वासी एवं सम्मेलन के पदाधिकारीगणों की उपस्थिति रही। तत्पश्चात राजस्थानी व्यंजन का भी सभी माननीयों द्वारा सामूहिक आनंद लिया गया।

इस समारोह में पद्म श्री विमल जैन, बिहार प्रादेशिक सम्मेलन अध्यक्ष युगल किशोर अग्रवाल, सुप्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ ऊषा डीडवानिया, राज्यपाल के प्रधान सचिव अल्बर्ट चोगठू, उद्योग विभाग के प्रधान सचिव संदीप पोडरीक एवं पटना शाखा अध्यक्ष शशि गोयल मंचाशीन रहे।

अरुणाचल में राजस्थान दिवस का पालन

अरुणाचल प्रदेश 'उगते सूरज की भूमि' में भारत के पश्चिम सीमाओं से लगा अंतिम प्रदेश जहां सूर्य अस्त होता है। राजस्थान के ७५वें स्थापना दिवस के अवसर पर अरुणाचल प्रदेश राज भवन में आयोजित भव्य कार्यक्रम में इस छोटे से पहाड़ी इलाके के मारवाड़ी सम्मेलन की नवगठित शाखा कार्यकारिणी पदाधिकारी व समाज-बंधुओं द्वारा राजस्थानी कला संस्कृति की स्मरणीय प्रस्तुति दी गई।

कुछ दिन पहले ही मारवाड़ी सम्मेलन नाहरलगुन-ईटानगर शाखा की नई कार्यकारिणी व मारवाड़ी सम्मेलन की नई महिला शाखा का गठन हुआ है। होली और अब राजस्थान दिवस पर बड़े कार्यक्रम आयोजित कर नाहरलगुन-ईटानगर शाखा ने समूचे पूर्वोत्तर में अपनी पहचान स्थापित की है। पहाड़ी क्षेत्र में किसी भी बड़े सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन करना सहज नहीं है।

हमें अपने अतीत व महापुरुषों को जानना चाहिए : राज्यपाल कटारिया

राजस्थान दिवस के मौके पर आए मारवाड़ी समाज को संबोधित करते हुए असम के राज्यपाल ने कहा कि वे इतने साल राजनीति में रहने के बाद भी असम के महापुरुषों को नहीं पढ़ पाए। श्रीमंत शंकरदेव और माधवदेव ने वैष्णव धर्म की जितनी सेवा की है, वास्तव में अकल्पनीय है। लेकिन असम के बाहर इस बारे में लोगों को कम पता है। कारण यह कि हमने अपने-अपने महापुरुषों को अपनी-अपनी भाषा तक ही सीमित कर दिया, जबकि हमें इन दीवारों को तोड़ना है। उन्होंने कहा कि असम और राजस्थान में बहुत समानता है। मैं समझता हूँ कि मुगलों के खिलाफ संघर्ष में जितनी अगुवाई राजस्थान ने की है, उतनी ही असम ने भी की है। असम कभी मुगलों के अधीन नहीं रहा। १२वीं सदी के सूर्य पहाड़ का जिक्र करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उस पहाड़ पर एक हजार शिवलिंग हैं। कण-कण में शंकर हैं। भगवान आदिनाथ की मूर्ति है, कई प्रतीक हैं। वह सावित करता है कि जैन धर्म की कितनी ऊँचाई थी। राज्यपाल ने ज्योति प्रसाद अगरवाला का स्मरण करते हुए कहा कि वे (ज्योति प्रसाद) विषम परिस्थितियों में यहां आकर रच-बस गए। राज्यपाल ने कहा कि आपकी कर्मभूमि यही है, आपके पुरखों की जन्मभूमि राजस्थान हो सकती है, बल्कि अब तो असम ही कइयों की जन्मभूमि है, ऐसे में यहां के विकास, उन्नति के लिए तथा राज्य के मान के लिए पूरी ताकत और क्षमता से काम करें। असम आगे बढ़ेगा तो देश आगे बढ़ेगा।

इस मौके पर राज्य के मुख्य सचिव पवन कुमार बरठाकुर, डीजीपी जीपी सिंह, रैविन्यू बोर्ड के चेयरमैन कैलाश चंद चमरिया, आयकर (सेंट्रल) गुवाहाटी के प्रधान आयुक्त सुखबीर सिंह चौधरी, राज्यपाल के आयुक्त सचिव एस एस मिनाक्षी सुंदरम, रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. अशोक पंसारी, उद्योगपति कैलाश लोहिया, उद्योगपति रतन शर्मा, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान मौजूद थे।

हिंदू नववर्ष (संवत्सर)

हमारे सनातनी हिंदू पूर्वज ऋषियों-महर्षियों ने नववर्ष का शुभारंभ 'ऋतुराज वसंत' से ही माना है। जब शीत ऋतु का अवसान हो जाता है। देश-प्रांतर में चतुर्दिक ही हरीतिमा और सौंदर्य युक्त नवीन सुंदरता की आभा दिखाई देने लगती है। ऐसे में समस्त चराचरों में खुशी का अद्‌भुत उद्वेग बना रहता है। खेत-खलिहान स्वर्णिम खाद्यान फसलों (लक्ष्मी) से परिपूर्ण झूमने लगते हैं। सूर्य की स्वर्णिम मधुर ताप युक्त किरणें प्रकृति में फैले विभिन्न रोग-किटाणुओं को नष्ट करते हुए समस्त चराचर तथा जड़-चेतन को नई स्फूर्ति से उदीप्त करने लगती है। ऐसे में हमारा सनातनी हिंदू नववर्ष सबको हर्षाते हुए प्रातः भगवा सिंदूरी किरणों के साथ हमारे द्वार पर दस्तक देता है।

आज ही के दिन उज्जैन के विख्यात सम्राट महाधिराज विक्रमादित्य ने अपने विस्तृत साम्राज्य में एक नवीन संवत्सर का प्रचलन किया था, जिसे 'विक्रमी संवत' के नाम से जाना जाता है और इसे ही हम 'हिंदू संवत्सर' के रूप में भी स्वीकार करते आए हैं। आज ही के दिन तत्कालीन भारतवर्ष के सिंध प्रांत के प्रसिद्ध समाज रक्षक वरूणावतार भगवान झूलेलाल प्रगट हुए थे। आज ही के दिन राजा विक्रमादित्य की भांति ही दक्षिण में शालिवाहन ने विदेशी आक्रमणकारियों को परास्त कर दक्षिण भारत में श्रेष्ठतम साम्राज्य की स्थापना कर 'शालिवाहन शक संवत' को प्रारंभ किया था, जिसे स्वतंत्र भारत सरकार ने अपने 'राष्ट्रीय शाके' अर्थात 'राष्ट्रीय कैलेंडर' के रूप में स्वीकार किया है और अपनी शैक्षणिक तथा वित्तीय संरचना जैसी समस्त राष्ट्रीय क्रिया-कलापों को आयाम प्रदान करती है। आज ही के दिन हूण वंश के सम्राट महाराजा कनिष्क ने अपने राज्यारोहण के दिन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान करने के लिए 'शक संवत' को प्रारंभ किया था।

आज ही के दिन अर्थात चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को महान भारतीय गणितज्ञ भास्कराचार्य ने सूर्योदय से सूर्यास्त तक को दिन, फिर सप्ताह, फिर महीना और फिर वर्ष की गणना करते हुए विद्वत सटीक 'पंचांग' की रचना की थी। आज ही के दिन सिखों के द्वितीय गुरु श्रीअंगद देव जी का भी अवतरण हुआ था। आज ही के दिन मनीषी स्वामी दयानंद सरस्वती जी ने 'आर्य समाज' की स्थापना की थी।

आज ही के दिन महाराष्ट्र और उसके निकटवर्ती प्रांतों में अपने-अपने घर के आँगन में 'गुड़ी' (विजय ध्वज) को फहराने की प्रथा प्रचलित है। इसीलिए, आज के दिन को 'गुड़ी पड़वा' नाम भी दिया जाता है। आज घर के द्वारों

को आम के पवित्र पत्तियों के बंदनवार से सजाया जाता है, जो सुखद जीवन की अभिलाषा के साथ-साथ कृषि-प्रधान भारत देश में अच्छी फसल और सुख-समृद्धि का द्योतक है।

संघर्ष

एक लड़का अपने पिता से कहता है कि मैं अपनी जिंदगी के संघर्ष से परेशान हो चुका हूँ। एक परेशानी खत्म होती नहीं है कि दूसरी लाइन में पहले ही खड़ी होती है। पिता अपने बेटे की बातें सुनकर उसे अपने साथ किचन में ले जाते हैं और बैठकर देखने के लिए कहते हैं। वह तीन बर्तन में पानी उबालते हैं। एक बर्तन में आलू, दूसरे में अंडा और तीसरे में कॉफी बींस डाल देते हैं।

कुछ मिनट के बाद अंडा, आलू को प्लेट में और कॉफी को कप में निकालते हैं और अपने बेटे का समझाते हैं कि यह आलू हार्ड से सॉफ्ट हो गया। अंडा नाजुक से हार्ड बन गया और कॉफी बींस एक टेस्ट ड्रिंक बन गई, लेकिन यह सब करने के लिए इन तीनों चीजों को गर्म पानी के संघर्ष को झेलना पड़ा। तब जाकर यह ऐसे बने हैं।

सीखः इंसान की जिंदगी भी ऐसी ही होती है। संघर्ष इंसान को बेहतर बनाता है और सुधार करने का मौका देता है। अब यह आप पर निर्भर करता है कि आप संघर्ष को कोसोगे या उससे कुछ सीखोगे।

लोमड़ी और किसान

एक लोमड़ी सुबह से भूखी थी। दिन भर भटकने के बाद भी उसे शिकार नहीं मिला था। जब उसे एक खेत दिखाई पड़ा, तो वह उसमें घुस गई। खेत में ढेर सारे कद्दू लगे हुए थे। भूखी लोमड़ी एक कद्दू खाने लगी। उसी समय किसान वहाँ आ गया। उसने जब लोमड़ी को कद्दू खाते हुए देखा, तो बहुत क्रोधित हुआ।

लोमड़ी उससे क्षमा माँगने लगी, लेकिन किसान ने उसे क्षमा नहीं किया। उसने उसकी पूँछ में आग लगा दी। पूँछ में आग लग जाने पर लोमड़ी दर्द से छटपटाने लगी और इधर-उधर भागने लगी। भागते हुए वह पास ही के गेहूँ खेत में चली गई। वह खेत भी उसी किसान का था। लोमड़ी की पूँछ में लगी आग से गेहूँ का पूरा खेत जल गया। किसान अपनी करनी पर बहुत पछताया।

सीखः छोटी गलतियों के लिए दूसरों को क्षमा कर देना चाहिए।

जिंदगी की नसीहत

दुनिया में चार तरह के लोग होते हैं- पहले, जो जल्दी से कोई गलती नहीं करते या ठोकर खाने से पहले ही संभले होते हैं, दूसरे किसी को ठोकर खाकर देखते हुए, संभल जाते हैं, तीसरे, खुद ठोकर खाकर भविष्य के लिए संभल जाते हैं और चौथे वे जो ठोकर खाकर भी कभी नहीं संभलते।

हनुमान जयंती का महत्व और जानने योग्य बातें

हनुमान जयंती जिसे हनुमान जन्मोत्सव के रूप में भी जाना जाता है, एक शुभ हिंदू त्योहार है जो भगवान हनुमान के जन्म के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जो रामायण के नायकों में से एक हैं जो अपनी अटूट भक्ति, साहस और शक्ति के लिए जाने जाते हैं। यह दिन चैत्र के हिंदू चंद्र महीने की पूर्णिमा के दिन पड़ता है, जो आमतौर पर ग्रेगोरियन कैलेंडर में मार्च या अप्रैल में होता है। इस वर्ष यह त्योहार २३ अप्रैल मंगलवार को मनाया गया है। भगवान हनुमान को निस्वार्थ सेवा, भक्ति और वफादारी के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है।

हनुमान जयंती का महत्व

यह त्योहार भगवान हनुमान द्वारा अवतरित दिव्य गुणों का जश्न मनाता है। हनुमान जयंती आध्यात्मिक चिंतन और आत्मनिरीक्षण का भी दिन है, क्योंकि भक्त अपने जीवन में हनुमान के गुणों का अनुकरण करने की इच्छा रखते हैं। यह बाधाओं पर काबू पाने और आध्यात्मिक विकास प्राप्त करने में भक्ति, विनम्रता और निस्वार्थता की शक्ति की याद दिलाता है। यह दिन हनुमान जी के गुणों का सम्मान करने और शक्ति, साहस और सुरक्षा को याद करने का भी दिन है। भगवान हनुमान जी हिंदू पौराणिक कथाओं में सबसे प्रतिष्ठित शख्सियतों में से एक हैं, जो अपनी अटूट भक्ति और बेजोड़ ताकत के लिए प्रसिद्ध है। अंजना, एक अप्सरा जो एक श्राप के कारण बंदर के रूप में पैदा हुई थी, और बंदरों के राजा केसरी से जन्मे, हनुमान का जन्म दिव्य वायु देवता द्वारा निर्धारित किया गया था।

हनुमान जी के जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब उनकी मुलाकात भगवान विष्णु के सातवें अवतार भगवान राम से हुई, जिसके बाद हनुमान भगवान राम के प्रबल भक्त बन गए और उन्होंने अपनी अटूट भक्ति और अद्वितीय साहस के साथ रावण की सेना के खिलाफ लड़ाई में भगवान राम और उनके सहयोगियों की सहायता की। उन्होंने भगवान राम के भाई लक्ष्मण, जो युद्ध में बुरी तरह घायल हो गए थे, के लिए जीवन रक्षक जड़ी-बूटी लाने के लिए पूरा पहाड़ उठाकर अपनी अपार शक्ति का प्रदर्शन किया।

जीतिए पुरस्कार

सभी अभिभावकों से हमारा अनुरोध है कि घर में बच्चों, युवाओं तक इन सामग्री को पहुँचाएँ एवं यह सुनिश्चित करें कि वह इनका पठन-पाठन करें। बच्चों द्वारा इन विषयों पर उनकी सम्मति विशेष रूप से आमंत्रित है। अंक में समाहित ज्ञान गंगा एवं अन्य विषयों पर बच्चों एवं युवकों की राय की प्रतीक्षा रहेगी। यह प्रयास तभी सफल होगा जब प्रत्येक घर में अभिभावक एवं बच्चे इन विषयों पर चर्चा करें एवं अपनी प्रतिक्रिया दें। बच्चों द्वारा भेजी गई तीन श्रेष्ठ राय पर पुरस्कार देने की भी योजना है। आप अपनी प्रतिक्रिया हमें editorsamajvikas@gmail.com पर भेज सकते हैं। - **संपादक**

पानी बचाने के लिए बच्चों को बताएँ ये तरीके:

बच्चों को बताएँ कि वो नहाने के लिए सिर्फ जरूरत भर के पानी का इस्तेमाल करें ना कि ज्यादा पानी की खपत करें।

अगर बच्चे नहाते वक्त अपने कपड़े पानी से धो रहे हों तो उनको धूले हुए कपड़ों के पानी को फेकने से मना करें और इस पानी का इस्तेमाल बाद में बाथरूम में फ्लश करने जैसे कामों के लिए करने को कहें।

बच्चों को बताएँ की पानी कम होने वाला है और वे इसका इस्तेमाल विवेकपूर्ण तरीके से करें। उनको बताएँ कि ब्रश करते समय नल को खुला ना रखें, हाथों को साफ करते समय या चेहरे को धोते समय नल के पानी का प्रवाह कम रखें।

बच्चों को बताएँ कि कभी भी नलों को खुला ना छोड़े और पानी का इस्तेमाल करने के बाद नल को कसकर बंद करें।

बच्चों को सिखाएँ की जितना पानी पीना हो उतनी गिलास भरें। ज्यादा पानी लेकर आधा पीकर छोड़े नहीं।

पानी स्टोर करना सिखाएँ और जैसे कि सब्जियों के धुले हुए पानी को पौधों पर डालने के लिए प्रोत्साहित करें।

बच्चों को पेड़ों के महत्व के बारे में बताएँ और पेड़ लगाने की सलाह देनी चाहिए। उन्हें पेड़ लगाने के अभियान में भी लेकर जाएँ। अगर कहीं पेड़ काटे जा रहे हो तो इसकी जानकारी बड़ों को देने की बात भी उनको बताएँ।

स्कूल से घर लौटने पर बच्चों से कहे कि वे अपनी पानी की बोतलों में जो भी थोड़ा सा पानी बचा है, उसे इस ड्रम में डालें।

बारिश के पानी को बचाने के बारे में उनसे बात करें। अपने घर या अपार्टमेंट की इमारत में वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित करना जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बच्चों को बारिश के पानी का मूल्य सिखाने के लिए उन्हें बारिश होने पर बाल्टी बाहर रखने के लिए कहें और इस पानी का उपयोग सफाई और धुलाई के लिए करें।

ज्ञान गंगा

छात्र के गुण

नास्ति विद्यासमो बन्धुर्नास्ति विद्यासमः सुहृत्।
नास्ति विद्यासमं वित्तं नास्ति विद्यासमं सुखम्।

अर्थात - विद्या के समान कोई बंधु नहीं, विद्या जैसा कोई मित्र नहीं, विद्या धन के जैसा अन्य कोई धन या सुख नहीं। अतः विद्या इस लोक में हमारे लिए सकल कल्याण की वाहक है, अतएव विद्यार्जन जरूर करना चाहिए।

जीवन का महत्व

रूप यौवन सम्पन्ना विशाल कुल सम्भवाः।
विद्याहीना न शोभन्ते निर्गन्धा इव किंशुकाः।।

अर्थात - रूप और यौवन से संपन्न तथा उच्च कुलीन परिवार में उत्पन्न व्यक्ति भी विद्याहीन होने पर सुगंध रहित पलाश के फूल की भाँति ही शोभा नहीं देते। विद्या अध्ययन करने में ही मनुष्य जीवन की सफलता है।

बूझो तो जानें...

1. उसके चार पाँव है, लेकिन वह चल नहीं सकता।
2. ऐसा कौन-सा पेड़ है, जिस पर हम चढ़ नहीं सकते?

उत्तर अगले अंक में –

मार्च अंक का उत्तर- 1. बादल, 2. मोमबत्ती

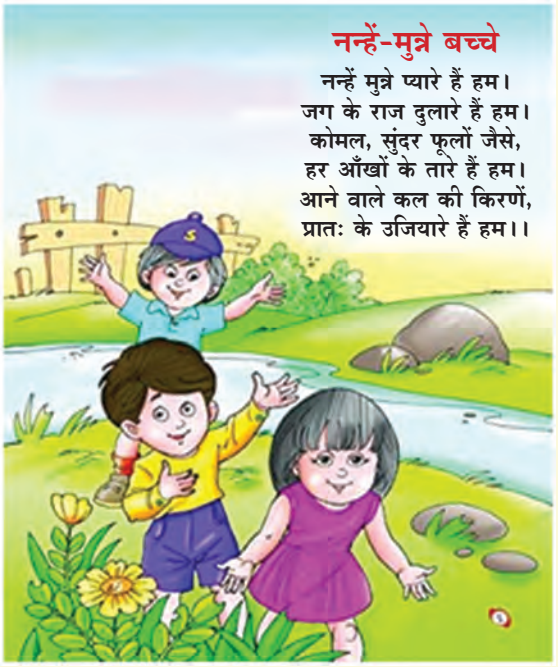

आइए मारवाड़ी भाषा सीखें

हम मारवाड़ी में परिचय देना सीखते हैं। आइए जानते हैं कि मारवाड़ी में बात कैसे करते हैं–

हिंदी	मारवाड़ी	अंग्रेजी
यह उसका है।	ओ बीको है। सा!	It's his.
यह उनका है।	ओ बाको है। सा!	It's theirs.
आप क्या कर रहे हो?	थै काइ करो हो? सा!	What are you doing?
मैं नाश्ता कर रहा हूँ।	मैं सिरावण करूँ हूँ। सा!	I'm having Breakast.
मैं कुछ नहीं कर रहा हूँ।	मैं की कोनी कर रियो। सा!	I'm doing nothing.
वह क्या कर रहा है?	बौ काई करें।	What's he doing?
वह फोन पर बात कर रहा है।	बैं फोन पै बात करें। सा!	He's talking on the phone.
तुम क्या पढ़ रहे हो।	थें काई पढ़ो हो? सा!	What are you reading?
मैं अखबार पढ़ रहा हूँ।	मैं अखबार पढ़ो हूँ। सा!	I am reading the Newspaper.
आप क्या देख रहे हैं?	थें काई देखों हो?	What are you watching?
लाइट को भी अभी जाना था।	लाइट न ही बार ही जाणों थे।	The power too had to go off right away.
उसे भी अभी आना था।	बीनै ही बार ही आणों थे।	He too had to come right away.
ए हुई ना बात!	आ हुई न बात।	That's the spirit! What's happening.

कर्म-योग क्या है?

एक बार एक सात वर्ष का बालक रमन महर्षि के पास आया। उन्हें प्रणाम कर उसने अपनी जिज्ञासा उनके समक्ष रखी। वह बोला- क्या आप मुझे बता सकते हैं कि कर्म-योग क्या है? क्योंकि जब कभी भी मैं यह प्रश्न अपने माता-पिता से पूछता हूँ, तो वे कहते हैं कि अभी तुम्हें इस विषय में सोचने की आवश्यकता नहीं है। जब तुम बड़े हो जाओगे तो तुम्हें अपने आप समझ आ जाएगी।

बालक की बात सुनकर रमन ऋषि बोले- मैं तुम्हें इस प्रश्न का उत्तर दूँगा, पर अभी तुम यहाँ मेरे पास शांतिपूर्वक बैठ जाओ। बालक उनकी आज्ञा का पालन कर उनके पास जाकर बैठ गया।

कुछ समय बाद, वहाँ एक व्यक्ति डोसे लेकर आया। उसने सभी डोसे रमन महर्षि के समक्ष रख दिए। किंतु महर्षि किसी भी वस्तु को अकेले ग्रहण नहीं करते थे। इसलिए महात्मा रमन ने डोसे का एक छोटा सा टुकड़ा अपने आगे रखा। फिर साथ बैठे उस बालक के पत्तल में एक पूरा डोसा परोस दिया। उसके बाद वहाँ उपस्थित अन्य अनुयायियों में शेष डोसे बाँटने का आदेश दिया। फिर उन्होंने पास बैठे बालक से कहा - अब, जब तक मैं अँगुली उठाकर इशारा नहीं करता, तब तक तुम यह डोसा खाते रहोगे। हाँ, ध्यान रहे कि.... मेरे इस संकेत से पहले तुम्हारा डोसा खत्म नहीं होना चाहिए। पर जैसे ही मैं अँगुली उठाकर संकेत दूँ, तो पत्तल पर डोसे का एक भाग भी शेष नहीं रहना चाहिए। उसी क्षण डोसा खत्म हो जाना चाहिए।

महर्षि के इन वचनों को सुनते ही बालक ने पूरी एकाग्रता से रमन-ऋषि पर दृष्टि टिका दी। उसका मुख बेशक ही डोसे के निवाले चबा रहा था, किंतु उसकी नजरें एकटक महात्मा रमन पर केंद्रित थी। बालक ने शुरुआत में बड़े-बड़े निवाले खाए पर बाद में अधिक डोसा न बचने पर उसने छोटे-छोटे निवाले खाने शुरू कर दिए। तभी अचानक उसे अपेक्षित संकेत मिला। इशारा मिलते ही बालक ने बचा हुआ डोसा एक ही निवाले में मुख में डाल दिया और निर्देशानुसार पत्तल पर कुछ शेष न रहा।

बच्चे की इस प्रतिक्रिया को देखकर रमन-ऋषि बोले - अभी-अभी जो तुमने किया वही वास्तविक में कर्मयोग है।

महर्षि ने आगे समझाते हुए कहा - देखो जब तुम डोसा खा रहे थे, तब तुम्हारा ध्यान केवल मुझ पर था। डोसे के निवाले मुख में डालते हुए भी तुम हर क्षण मुझे ही देख रहे थे। ठीक इसी प्रकार संसार के सभी कार्य-व्यवहार करते हुए भी अपने मन-मस्तिष्क को ईश्वर (पूर्ण गुरु) पर केंद्रित रखना। मतलब कि ईश्वर की याद में रहकर अपने सभी कर्तव्यों को पूर्ण करना। यही वास्तविक कर्म-योग है।

कोल्हान प्रखंड के पदाधिकारियों ने पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष से शिष्टाचार भेंट की

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के कोल्हान प्रमंडल के पदाधिकारियों ने पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल रूंगटा से शिष्टाचार मुलाकात कर मारवाड़ी सम्मेलन के जिलों की गतिविधियों से अवगत करवाया। श्री रूंगटा ने पदाधिकारियों से सामाजिक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। इस बैठक में पूर्वी सिंहभूम जिला अध्यक्ष मुकेश मित्तल, पश्चिम सिंहभूम जिला अध्यक्ष दिलीप अग्रवाल तथा सरायकेला-खरसावां जिला अध्यक्ष मनोज चौधरी उपस्थित थे।

प्रादेशिक समाचार : पूर्वोत्तर

प्रादेशिक सम्मेलन द्वारा संकलित 'आपणी परंपरा' पुस्तक का राज्यपाल ने किया विमोचन

मारवाड़ी समाज की प्रतिनिधि संस्था एवं सामाजिक जागृति के लिए तत्पर मारवाडी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा द्वारा अपनी बहु प्रतीक्षित पुस्तक 'आपणी परंपरा' का विमोचन आज राजभवन में असम के महामहिम राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया के कर-कमलों से सम्मेलन के पदाधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

शाखा अध्यक्ष शंकर बिड़ला ने बताया कि विभिन्न त्योहारों में राजस्थानी संस्कृति एवं रीति-रिवाज के विलुप्त होने की स्थिति को देखते हुए सम्मेलन ने संस्कारों एवं रीति-रिवाज को पुनः जागृत करने के उद्देश्य से इस कार्य को संपादित किया है। शाखा सचिव अशोक सेठिया ने जानकारी दी कि इस कार्य के संपादन का दायित्व अजय अग्रवाल एवं संयोजन का दायित्व उपाध्यक्ष प्रदीप भुवालका के मजबूत कंधों पर दिया गया और इन्होंने बखूबी इस कार्य को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

राज्यपाल महोदय के द्वारा किताब के विमोचन के अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, मंडलीय उपाध्यक्ष एवं निवर्तमान अध्यक्ष सुशील गोयल, अध्यक्ष शंकर बिड़ला, उपाध्यक्ष प्रदीप भुवालका, सचिव अशोक सेठिया, सह सचिव संजीत धूत, कोषाध्यक्ष सूरज सिंघानिया, सह कोषाध्यक्ष विकास जैन, प्रचार-प्रसार मंत्री नरेंद्र सोनी, संपादक अजय अग्रवाल एवं संयोजक प्रदीप भुवालका उपस्थित थे।

प्रादेशिक समाचार : पश्चिम बंग

ब्रज की होली का कार्यक्रम धूमधाम से संपन्न

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन मधवाग बैंड का ब्रज की फूलों की होली का कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम से संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का उद्घाटन एसआरएमबी स्टील के बृजमोहन बेरीवाल द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दमकल मंत्री सुजीत बोस उपस्थित रहे। वहीं, अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, मनोज गुप्ता उपस्थित रहे। मौके पर मौजूद दर्शकों की इतनी बड़ी संख्या देखकर सुजीत बोस ने कहा कि राजस्थानी संस्कृति के प्रति प्यार को देखकर मुझे बड़ी खुशी हुई। ऐसे कार्यकम में हमेशा हमारा सहयोग रहेगा। अपने स्वागत भाषण में नंद किशोर अग्रवाल द्वारा संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी गई। साथ ही इस कार्यक्रम में पश्चिम बंग के दूर-दराज शाखा दार्जिलिंग, कार्सियांग, बांकुड़ा, दुर्गापुर, आसनसोल, बर्दवान, रानीगंज, पुरुलिया के पदाधिकारियों की भी उपस्थिति थी। पश्चिम बंग के प्रांतीय महामंत्री नितिन अग्रवाल ने अतिथियों का परिचय करवाया। संयुक्त सचिव अनिल डालमिया एवं पवन बंसल ने समस्त आगंतुकों का सम्मान किया। अपने सुमधुर भजनों से माधवाज बैंड ने श्रोताओं की खूब वाहवाही लूटी और श्रोताओं ने भाव-विभोर होकर नृत्य के साथ भरपूर आनंद लिया। महावीर रावत ने मंच का सफल संचालन किया। कार्यक्रम के संयोजक विश्वनाथ भुवालका ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। मुख्य सलाहकार चंडी प्रसाद बंसल एवं कार्यक्रम के सह-संयोजक मुकेश खेतान ने कार्यक्रम की देखरेख की। सामाजिक संस्था उड़ान की चेयरपर्सन किरण अग्रवाल तथा उमा झंवर का सम्मान सरिता अग्रवाल द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कोषाध्यक्ष अभिषेक सरद, सहकोषाध्यक्ष रूपक केडिया, लक्ष्मण अग्रवाल, विनोद लिहाला, सुरेश कुमार गुप्ता, आशीष मित्तल, सुभाष चंद्र गोयंका, नीरज बंसल, सुशील चौधरी, प्रदीप लोहारीवाला, अशोक पुरोहित, अशोक सुराना, पंकज भरोटिया, रवि शंकर अग्रवाल, संजय किला ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अग्रणी भूमिका निभाई।

प्रादेशिक समाचारः झारखंड

अधिवेशन सह प्रांतीय कार्यकारिणी समिति की बैठक

२५ फरवरी को झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के कोल्हान प्रमंडलीय अधिवेशन सह चतुर्थ प्रांतीय कार्यकारिणी समिति की बैठक चाईबासा में चाईबासा जिला मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में आयोजित की गई। पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष विनय सरावगी ने इस कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। प्रांतीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं प्रांतीय महामंत्री रविशंकर शर्मा इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि थे। प्रांतीय संयुक्त महामंत्री दीपक पारीक, प्रांतीय उपाध्यक्ष ओमप्रकाश रिंगसिया एवं मनोज बजाज, प्रांतीय कार्यालय मंत्री श्याम सुंदर शर्मा, किशन लाल शर्मा, पूर्वी सिंहभूम जिला अध्यक्ष मुकेश मित्तल, खरसावां सरायकेला जिलाध्यक्ष मनोज चौधरी, चाईबासा जिला अध्यक्ष दिलीप अग्रवाल एवं मंत्री कमल कुमार लाट सहित अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में लगभग २०० सदस्यों ने हिस्सा लिया तथा काफी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कोल्हान के प्रमंडलीय उपाध्यक्ष राजकुमार मुंद्रा ने सम्मेलन की अध्यक्षता की एवं प्रमंडलीय मंत्री शिव कुमार शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

प्रादेशिक समाचार : उत्तर प्रदेश

चुनाव जागरूकता अभियान पोस्टर का विमोचन

उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की बैठक में वाराणसी के मेयर अशोक तिवारी, वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनाव प्रभारी गुजरात के विधायक जगदीश पटेल, उमाशंकर अग्रवाल, उद्योगपति अन्वी डीडवानिया, प्रदेश अध्यक्ष श्रीगोपाल तुलस्यान, प्रदेश महामंत्री टीकम चंद सेठिया, प्रदेश कोषाध्यक्ष आदित्य पोद्दार ने चुनाव जागरूकता अभियान पोस्टर का विमोचन किया। सम्मेलन के वाराणसी शाखा का पूर्ण सहयोग रहा।

प्रादेशिक समाचार : उत्कल

मुख्यमंत्री से मुलाकात, विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा

ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, ५टी चेयरमैन वी. के. पांडियन, बीज जनता दल के महासचिव प्रणव प्रकाश दास (बॉबी) के साथ उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का एक प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री निवास पर मुलाकात कर समाज की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की। इस अवसर पर सम्मेलन की ओर से पुरी तथा अन्यान्य जगहों पर भवन हेतु जगह की मांग की तथा अन्य विषयों पर गहन चर्चा की। इसमें प्रांतीय अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल, संबलपुर अध्यक्ष संतोष अग्रवाल, महासचिव महेश झाझरिया, प्रांतीय राजनीतिक चंतना के प्रमुख विष्णु केडिया, शंकर अग्रवाल, राजू पालीवाल, शीशराम अग्रवाल, राउरकेला, कटक, बालंगीर के उपाध्यक्ष पवन सुल्तानिया, सुरेश कमानी, दीनदयाल केडिया, कटक सचिव सुभाष केडिया, बलांगीर सचिव प्रकाश गोयल, संदीप सावड़िया, बलांगीर से संतोष मोदी, प्रफुल जैन, पुराना कटक से अशोक अग्रवाल तथा करीब ४० से अधिक प्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने समाज की सभी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया।

प्रादेशिक समाचार : उत्कल

प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल एवं निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. गोविंद अग्रवाल के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारी एवं सदस्यगण सात दिवसीय तीर्थ यात्रा के लिए विशाखापट्टनम-बनारस एक्सप्रेस से टीटलागढ़, भवानीपटना, कांटानांशी, केसिंग, बलांगीर, बरगड, संबलपुर, झारसुगुड़ा के सदस्यगण के बनारस पहुँचने पर उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के जोनल सचिव शैलेंद्र एवं उनके सहयोगियों द्वारा प्रदेश अध्यक्ष समेत अन्य पदाधिकारियों को फूल का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया। सभी लोगों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। यह तीर्थयात्रा काशी विश्वनाथ एवं विंध्यवासिनी माता के दर्शन के पश्चात प्रयागराज त्रिवेणी संगम में स्नान करने के बाद अयोध्या में रामलला के दर्शन उपरांत वापस लौटी।

गीता श्लोक पाठ और फैंसी पोशाक प्रतियोगिता का आयोजन

मारवाड़ी सम्मेलन, चेन्नई अपने विभिन्न कार्यक्रमों से सनातन धर्म को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। इसी क्रम में तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन ने द्वारकादास गोवर्धन दास वैष्णव कॉलेज के सभागार में २७ जनवरी २०२४ को चेन्नई शहर के स्कूली छात्र/छात्राओं के लिए गीता श्लोक पाठ एवं महाभारत के पात्रों पर आधारित फैंसी पोशाक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल २५ स्कूलों के लगभग ८० छात्रों ने भाग लिया।

तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष विजय गोयल ने सभी का स्वागत किया और गीता के १८ अध्यायों पर चर्चा की। कार्यक्रम के अध्यक्ष बृज खंडेलवाल ने गीता प्रेस के बारे में बताते हुए अपना विचार रखा।

मुख्य अतिथि डॉ. एस. पी. सुरेश ने गीता के महत्व और श्रीकृष्ण के उपदेश पर अपना विचार रखा। विशिष्ट अतिथि प्रेमा कृष्णमूर्ति ने नई पीढ़ी में ऊर्जा का संचार किया और सभी से गीता और रामायण को पढ़ने की अपील की।

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार मूँधड़ा एवं वर्तमान उपाध्यक्ष अशोक केडिया एवं अशोक लाखोटिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष मोहन बजाज, राम अवतार रूँगटा, अजय नाहर और कॉलेज के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। छात्रों में भगवतगीता के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

संयुक्त संयोजक पी. मारुति ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। मारवाड़ी सम्मेलन, चेन्नई के महासचिव मुरारीलाल सोंथलिया ने सभी आगंतुकों, अतिथियों और प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

वालीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

तामिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन, चेन्नई शाखा द्वारा वालीबॉल टूर्नामेंट डी.जी. वैष्णव महाविद्यालय के प्रांगण में आयोजित हुआ, जिसमें १६ टीमों के १४४ खिलाड़ियों के साथ ६० वर्ष से ऊपर के लीजेंड्स २७ खिलाड़ियों ने भी अपना दमखम दिखाया। टूर्नामेंट की विजेता टीम ए. जी. जैन स्पोर्ट्स क्लब व उप-विजेता टीम राजस्थान स्पोर्ट्स क्लब का फाइनल मैच अविस्मरणीय रहा। लीजेंड्स का टूर्नामेंट भी बहुत शानदार रहा। प्रादेशिक अध्यक्ष विजय गोयल ने सबका अभिवादन कर टूर्नामेंट के शुरुआत की घोषणा की। मुख्य अतिथि व टी-शर्ट्स के प्रायोजक राजस्थान रत्न सुभाष रांका ने अपने प्रेरणादायी आशीर्वचन दिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि एवं रजत के अध्यक्ष प्रवीण टाटिया ने अपने उद्धार से सम्मेलन का गौरव बढ़ाया। इस बृहद टूर्नामेंट के अन्य प्रायोजक प्रमोद अभिषेक बाफना व श्री राजू जालान थे। अंत में सम्मेलन के महामंत्री मुरारीलाल सोंथलिया ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

इस भव्य टूर्नामेंट को सफल बनाने में टूर्नामेंट के चेयरमैन राधेश्याम मूँधड़ा, सह-चैयरमेन पी. आर. छल्लानी, मार्गदर्शक डॉ. अशोक मूँधड़ा, उपाध्यक्ष अशोक केडिया, अशोक लखोटिया, कोषाध्यक्ष मोहनलाल बजाज, अजय नाहर, अनुराग माहेश्वरी व अन्य सहयोगियों ने टूर्नामेंट की रूपरेखा बनाकर उसे क्रियान्वित किया।

उरियामघाट में सम्मेलन की खुली शाखा

पूर्वोत्तर मारवाड़ी सम्मेलन ने अपनी शाखा विस्तार करते हुए नागालैंड बॉर्डर पर स्थित एक छोटे से कस्बे उरियामघाट में शाखा का गठन किया, स्थानीय समाजसेवी ओमप्रकाश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित सभा में प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, निवर्तमान प्रांतीय महामंत्री अशोक अग्रवाल, संगठन मंत्री बिमल अग्रवाल, प्रांतीय कोषाध्यक्ष सीए अशोक अग्रवाल, प्रांतीय संयुक्त मंत्री बिरेन अग्रवाल को मंचासीन करवाया गया। प्रांतीय संयुक्त मंत्री बिरेन अग्रवाल ने सम्मेलन के उद्देश्य से उपस्थित लोगों को अवगत करवाया। मौके पर अशोक अग्रवाल एवं बिमल अग्रवाल द्वारा संगठन की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने नई शाखा के गठन पर उरियामघाट के समाज-बंधुओं को शुभकामना दीं। सर्व सम्मति से अशोक बगड़िया को शाखाध्यक्ष चुना गया तथा ललित मिश्रा को सचिव का भार सौंपा गया। इसके पश्चात ११ सदस्यीय कार्यकारिणी पदाधिकारियों एवं सदस्यों के नामों की घोषणा की गई। नए शाखाध्यक्ष अशोक बगड़िया का शपथ पाठ प्रांतीय अध्यक्ष द्वारा, पदाधिकारियों का शपथ पाठ प्रांतीय कोषाध्यक्ष सीए अशोक अग्रवाल द्वारा तथा कार्यकारिणी सदस्यों का शपथ पाठ गोलाघाट शाखा के ओम प्रकाश गोयल द्वारा कराया गया। प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा ने सभा को संबोधित किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन नवनिर्वाचित शाखाध्यक्ष अशोक बगड़िया ने दिया। राष्ट्रीय गान के साथ सभा की समाप्त हुई।

दिल्ली प्रथम महिला शाखा का गठन

१० अप्रैल को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अंतर्गत दिल्ली की प्रथम महिला शाखा मारवाड़ी सम्मेलन, दिल्ली महिला शाखा का गठन हुआ। इस अवसर पर पूर्वी दिल्ली शाखा एवं दिल्ली महिला शाखा द्वारा संयुक्त रूप से महिला शाखा का शपथ विधि कार्यक्रम एवं गणगौर मेला का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में समाज-बंधुओं एवं महिलाओं की सहभागिता रही। सर्वप्रथम मेहंदी के कार्यक्रम का आयोजन हुआ। तदुपरांत हाई-टी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ, जिसमें समाज की महिलाओं, बच्चों एवं राजस्थानी कलाकारों द्वारा मनोरम राजस्थानी नृत्य एवं अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। शपथ विधि कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष लक्ष्मीपत भुतोड़िया ने की। विशेष उपस्थिति रही ओम प्रकाश शर्मा (विधायक), दिल्ली भाजपा उपाध्यक्ष विष्णु मित्तल, सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन गोयनका, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष राज कुमार मिश्रा, प्रांतीय उपाध्यक्ष मन्ना लाल बैद, सज्जन शर्मा, प्रांतीय महामंत्री सुन्दर लाल शर्मा, शाखा अध्यक्षगण संजय अग्रवाल (पूर्वी दिल्ली), रमेश बजाज (गणगौर), निवर्तमान पूर्वी दिल्ली शाखा अध्यक्ष राधेश्याम बंसल, सुषमा अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, श्रवण अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, ओम प्रकाश सोमानी, सीमा अग्रवाल (जबलपुर) आदि मेहमानों का पटका एवं ममेंटो भेंट कर सम्मान किया।

प्रांतीय अध्यक्ष श्री भुतोड़िया ने घोषणा की कि सीमा बंसल को महिला शाखा का अध्यक्ष चुना गया है जिसका सभी ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। श्री भुतोड़िया ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष सीमा बंसल को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई एवं पट का एवं ममेंटो द्वारा सम्मानित किया। नवनिर्वाचित अध्यक्षा ने सभी का धन्यवाद किया एवं अपने कार्यकाल के दौरान से समाज हित में काम करने की प्रतिबद्धता जताई। मंच संचालन पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष राजकुमार मिश्रा ने किया, श्री भुतोड़िया ने सभी मेहमानों का अभिवादन किया, श्री गोयनका ने जीवन में समाज के महत्व एवं सम्मेलन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। विधायक ओम प्रकाश शर्मा ने कहा कि मारवाड़ी एक भरोसे का नाम है। विष्णु मित्तल ने सुझाव दिया कि पूरे प्रांत की सभी शाखाओं को मिलकर एक बड़ा कार्यक्रम करना चाहिए। सुन्दर लाल शर्मा ने दिल्ली प्रांत के कार्यक्रमों के बारे में सूचना दी। पूर्वी दिल्ली शाखा अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने सभी के सहयोग एवं आगमन के लिए धन्यवाद दिया। अन्य वक्ताओं ने भी अपने अपने विचार रखे। मन्ना लाल बैद ने सभी मेहमानों का धन्यवाद ज्ञापन किया। तत्पश्चात सभी ने राजस्थानी भोजन का आनंद लिया।

तिरुपति शाखा का गठन

१२ मार्च को आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की बैठक तिरुपति के होटल पाईवेसरोय में हुई। सदस्यों ने प्रदेश अध्यक्ष चांदमल अग्रवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता और प्रदेश सचिव पोड़ेश्वर पुरोहित को दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत करते हुए आगे की कार्यवाही अध्यक्ष चांदमल अग्रवाल को सौंपी। प्रदेश अध्यक्ष चांदमल अग्रवाल ने सम्मेलन के संक्षिप्त इतिहास की जानकारी दी व अपने अनुभवों को सांझा करते हुए बताया कि मारवाड़ी सम्मेलन की शुरुआत वर्ष १९३५ में की गई थी और आंध्र प्रदेश में इसका गठन वर्ष १९९५ में हुआ था। मुझे खुशी है कि हमारे अधिकांश सदस्य आज उपस्थित हैं और हमलोग तिरुपति में चौथी शाखा का गठन करने जा रहे हैं। प्रांतीय अध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाकर तिरुपति शाखा अध्यक्ष रामकिशोर पारीक को पारंपरिक पगड़ी पहनाकर और दुपट्टा ओढ़ाकर उनका स्वागत किया। प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता ने कहा कि हमारे लिए बहुत खुशी की बात है कि तिरुपति जैसे धार्मिक और देवभूमि स्थल पर सम्मेलन की चौथी शाखा का आज गठन किया गया। मैं सभी साथियों को बधाई देता हूँ। प्रदेश सचिव पोड़ेश्वर पुरोहित ने कहा कि हमारे लिए खुशी की बात है कि तिरुपति शाखा के लिए पहले अध्यक्ष के रूप में समाजसेवी रामकिशोर पारीक को सर्व सम्मति से चुना गया तो नेमीचंद गहलोत, रामगोपाल छीपा और शैलेन्द्र मिश्रा को उपाध्यक्ष, सुरेश कटारिया को सचिव तथा अनिल गौड़ को सहसचिव, मनोज झंवर को कोषाध्यक्ष, रविकुमार गोयल, नरेन्द्र राठौड़, प्रवत सिंह, सूर्यप्रकाश शर्मा, जगदीश देवासी को कार्यकारणी सदस्य और कृष्ण कनोड़िया व मनोज कुमार गुप्ता को संरक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई।

इस बैठक में पवन छीपा, जगदीश छीपा, श्यामचंद गहलोत, सुरेश देवासी, सुरेश अग्रवाल, विकास, रांका, रोशन पारीक के साथ अन्य सदस्यों के साथ समाज के गणमान्य समाज-बंधुओं ने भाग लिया।

शाखा समाचार : पूर्वी सिंहभूम, झारखंड

आपणो राजस्थान का रंगारंग कार्यक्रम संपन्न

पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से १६ अप्रैल को राजस्थान दिवस के उपलक्ष में आयोजित 'आपणो राजस्थान कार्यक्रम' में साकची स्थित धालभूम क्लब मैदान में जैसे पूरा राजस्थान उतर आया था। कहीं ऊँट की सवारी, कहीं लाह की बनती चूड़ी, कठपुतली नाच, बाइस्कोप पर टिकी आँखें, मंच पर राजस्थानी लोकगीत-नृत्य की प्रस्तुतियों ने समां बाँधा। कलाकारों ने गणेश वंदना से सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए 'पधारो म्हारे देश (पधारो-सा)' का संदेश दिया। कोलकाता की सोनू एंड टीम की राधाकृष्ण झाँकी और फूलों की होली आकर्षण का केंद्र रही। इस रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में राजस्थानी संस्कृति की झलक दिखी। राजस्थानी गीत-संगीत और नृत्य ने सबका मन मोह लिया। कलाकारों ने राजस्थानी लोकगीत 'धरती धोरारी' को जैसे सुर दिया, सबकी निगाहें मंच पर जा टिकी। मंच पर अगले ही पल घुमर नृत्य होने लगा। दर्शक इत्मिनान से लोकरंग का आनंद लिया। राजस्थान से आए कलाकारों ने राजस्थानी रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अपनी माटी की छटा बिखेर दी।

मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने कहा कि हमें अपनी भाषा, संस्कृति व परिवेश के प्रति जागरूक रहकर इसे वर्तमान पीढ़ी तक पहुँचाना जरूरी है। हमें घरों में बच्चों को राजस्थानी भाषा का प्रयोग अधिक से अधिक करने के लिए प्रेरित करना होगा। राजस्थानी भाषा को मान्यता मिलने पर राजस्थानियों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। मारवाड़ी सम्मेलन के जिलाध्यक्ष मुकेश मित्तल ने अपनी धरोहर तथा विरासतों को बचाने पर जोर दिया।

'आपणो राजस्थान' कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण कठपुतली नाच, मेहंदी, टैटू, बच्चों के लिए झूला, लाख की चूड़ी, मिट्टी के बर्तन, ऊँट की सवारी, चोखी ढाणी, राजस्थानी व्यंजन, चूर्ण, तोता पंडित, शूटिंग, सेल्फी कार्नर, बच्चों के लिए बासुरी, टॉफी कैंडी, कॉटन कैंडी, झालमुरी समेत कई तरह के पकवान रहे। इस कार्यक्रम को आयोजित करने का मुख्य मकसद राजस्थानी संस्कृति को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में बच्चों, महिलाओं, पुरुषों और युगल जोड़ी को सर्वश्रेष्ठ राजस्थानी ड्रेस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन की सभी शाखाओं को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम प्रांगण में मरुधर साहित्य ट्रस्ट, जमशेदपुर का स्टॉल भी था, जिसमें राजस्थानी से संबंधित प्रकाशन की पुस्तकें उपलब्ध थी।

राजस्थानी वेशभूषा में कपल डिपल-प्रवीण अग्रवाल, मनोज-राधा केजरीवाल, पुरुष वर्ग में श्याम खंडेलवाल, जगदीश मूनका, महिला वर्ग में शिल्पी चौधरी, पूजा अग्रवाल, पायल अग्रवाल, बच्चा वर्ग में आर्य आग्रवाल विजेता बने।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, विधायक सरयू राय मुख्य रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन ईशा शर्मा ने किया। जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष मुकेश मित्तल की देखरेख में कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ। कार्यक्रम की सफलता में ओमप्रकाश रिंगसिया, सुरेश सोंथालिया, पवन अग्रवाल, आलोक चौधरी, बिना खिरवाल, अंकुश जवानपुरिया, विमल अग्रवाल, दिलीप गोलछा, आनंद चौधरी, विकास सिंघानिया, लाला मूनका, ललित गढ़वाल, श्रवण देबुका, रतन सहरिया, कमल सिंघल, सुनील सोंथालिया, कमल लड्ढा, लाला जोशी, मालीराम अग्रवाल, पवन अग्रवाल (पप्पी), कैलाश अग्रवाल, मनोज पलसानिया, मनोज अग्रवाल (asi), सुशीला खिरवाल, निशा सिंघल, राधा केजरीवाल, दिलीप गोयल, विनोद शर्मा, सांवरमल सेवड़ा, अंकित मोदी, बिनोद अग्रवाल, विजय कुमार गोयल, महाबीर प्रसाद अग्रवाल (अधिवक्ता), दीपक अग्रवाल रामुका, कैलाश अग्रवाल (अधिवक्ता), पवन सिंघानिया, सीताराम देबूका, शंकर लाल अग्रवाल, महेश छापोलिया, कमलेश अग्रवाल, मुरारी अग्रवाल, संजय अग्रवाल, विकास अग्रवाल, कौशल अग्रवाल, सुशील रामराईका, रामु देबूका, संतोष अग्रवाल, दीपक पटवारी, बिमल बाकरेवाल, हर्ष बाकरेवाल, अमित सरायवाला, अनुराग अग्रवाल, रविकांत अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, गौरव मुरारका, संजय शर्मा, बजरंग केवलका, नारायण केवलका, राजेश शर्मा, मनोज अग्रवाल, बजरंग अग्रवाल, जुगल किशोर शर्मा, दिनेश शर्मा, सुशील अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, दीपक अग्रवाल एवं चेतन गर्ग समेत अन्य सदस्यों का योगदान रहा। वहीं कैलाश अग्रवाल, विक्रम कुमार केडिया, प्रकाश कुमार, राजेश, विनोद खन्ना, संतोष कुमार विशेष योगदान रहा।

प्रादेशिक समाचार: छत्तीसगढ़

रायपुर शाखा के कार्यकारिणी का गठन

२७ फरवरी को प्रांतीय महामंत्री अमर बंसल के कार्यालय में छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, रायपुर शाखा की सांगठनिक बैठक रखी गई। बैठक में प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष पुरुषोत्तम सिंघानिया, महामंत्री अमर बंसल, कोषाध्यक्ष सुरेश चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील लाठ, रायपुर शाखाध्यक्ष संजय शर्मा एवं सचिव प्रवीण सिंघानिया उपस्थित रहे। बैठक में रायपुर शाखा के कार्यकारिणी का गठन हुआ तथा आगामी होली मिलन समारोह के विषय पर विस्तार से चर्चा हुई।

शाखा समाचार : कटनी, म. प्र.

रंगपंचमी के अवसर पर होली मिलन समारोह का आयोजन

रंगपंचमी के अवसर पर होली मिलन समारोह में मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के काटनी शाखा ने राहुल बाग में एक अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया। सर्वप्रथम माँ लक्ष्मी व महराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना राजस्थान ट्रस्ट कमेटी के अध्यक्ष पप्पू बजाज, भगवानदास माहेश्वरी, विजय सरावगी, किशन शर्मा, नारायण बजाज, नारायण अग्रवाल, मोहन बजाज, संपत गट्टानी, टिल्लू सिंघानिया, दीपक सरावगी ने किया। कवि दिनेश देहाती का सम्मान मारवाड़ी समाज के वरिष्ठ समाजसेवी भगवानदास माहेश्वरी ने, रविशंकर चतुर्वेदी का सम्मान मारवाड़ी समाज, कटनी के अध्यक्ष पवन बजाज ने, हीरामणि वैष्णो कोरबा का सम्मान सुरेश अग्रवाल ने, कवि प्रियांशु तिवारी का सम्मान बिल्लू शर्मा ने, कैमोर की प्रियंका मिश्रा का सम्मान राजस्थान महिला मंडल की अध्यक्ष सुनीता रमेश अग्रवाल ने, मनोहर मनोज का स्वागत कमल बगरिया एवं मुकेश जैन मनमौजी का सम्मान श्रीकांत बजाज ने किया। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के कटनी शाखाध्यक्ष एवं समारोह के संयोजक शरद सरावगी व सचिव अजय सरावगी ने उपस्थित जनसमूह का आभार प्रकट करते हुए सभी को स्नेहिल भोज के लिए आमंत्रित किया। अंत में विजय सरावगी, पप्पू बजाज, अजय सरावगी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

शाखा समाचार : नाहरलगुन ईटानगर, पूर्वोत्तर

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का पालन

०८ मार्च को नवगठित नाहरलगुन ईटानगर मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा ने 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' को बड़े धूमधाम के साथ श्री जैन मन्दिर परिसर, नाहरलगन मे मनाया। मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अध्यक्षा नीलम जैन ने प्रथम कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए महिला दिवस की सभी को शुभकामनाएँ दी। कुछ सदस्याओं ने महिला शक्ति के बारे में बड़े ही सुंदर ढंग से व्यक्तव्य दिया। सचिव मधु जैन ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सभी का सहयोग की कामना की। राष्ट्रगाण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

शाखा समाचार : गुजरात

उत्तर प्रदेश प्रांतीय अध्यक्ष श्री तुलस्यान का सूरत में सम्मान

उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री गोपाल तुलस्यान के सूरत नगर आगमन पर २८ मार्च को सुबह ११ बजे अग्र इजोटिका भवन पर भेंटवार्ता की गई, जिसमें गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष गोकुल बजाज एवं सूरत जिला इकाई के अध्यक्ष सुशील अग्रवाल, महामंत्री हेमन्त गर्ग, राजा अग्रवाल, रमेश मोदी एवं अन्य प्रांतीय व शाखा पदाधिकारियों ने श्री तुलस्यान दुपट्टा एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत, सम्मान किया।

शाखा समाचार : सक्ति

होली मिलन समारोह का आयोजन

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की सक्ती शाखा द्वारा ३० मार्च को होटल गिरिराज रेन बसेरा में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, इस दौरान आगामी लोकसभा निर्वाचन २०२४ के अंतर्गत सक्ती जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर आईएएस अमित विकास टोपनो के मार्गदर्शन में चल रहे स्वीप कार्यक्रम के मतदाता जागरूकता अभियान के तहत सदस्यों ने शत प्रतिशत मतदान की शपथ ली एवं संकल्प भी लिया। इस दौरान सभी सदस्यों को गुलाल एवं तिलक लगाकर उनका स्वागत करते हुए होली की बधाई दी गई, साथ ही इस दौरान राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा सक्ती शाखा के सभी सदस्यों के बनाए गए आजीवन सदस्यता प्रमाण पत्र का वितरण किया गया एवं बैठक में आगमी संगठनात्मक कार्यक्रमों पर भी रूपरेखा बनाई गई। बैठक में हरिओम अग्रवाल, अमरलाल अग्रवाल ठेकेदार, राकेश अग्रवाल गुरुजी, रमेश चंद्र अग्रवाल, महेश अग्रवाल अधिवक्ता, कैलाश अग्रवाल कल्ला, राजेश अग्रवाल जेपी जनरल, कन्हैया गोयल, अभिषेक शर्मा गोलू महाराज, मानस अग्रवाल, कपूरचंद अग्रवाल, पुरुषोत्तम गोयल, ऋषि कुमार गोयल, राजेंद्र अग्रवाल राजू, ईश्वर अग्रवाल, अनुराग मंगल, सुनील बंसल, रुपेश अग्रवाल मोनू, अशोक खेतान, आलोक सराफ, पंडित मदन मोहन शर्मा, नरेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद रहे। सभी आगंतुक सदस्यों को श्री रामचंद्र मारवाड़ी पंचायती मंदिर के प्रमुख पुजारी पंडित राधेश्याम शर्मा ने तिलक लगाया।

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

With Best Compliments from:

Anmol Industries Ltd.

BISCUITS, CAKES & COOKIES

BISCUITS

For your comments, complaints and trade related queries write to us at **info@anmolindustries.com** or call us at **1800 1037 211** | **www.anmolindustries.com** | Follow us on:

हमारे नवनिर्वाचित शाखाध्यक्ष

शाखा : रायपुर, छत्तीसगढ़

संजय शर्मा का जन्म १९ फरवरी १९६९ को ओडिशा के बारगढ़ जिला के पदमपुर में हुआ। आपके पिता का नाम स्वर्गीय गौरीशंकर शर्मा, माँ का नाम स्वर्गीय आनंदी शर्मा है। आपका पैतृक गाँव राजस्थान के बूंदी जिला के काटी में है। आपने संबलपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा से स्नातकोत्तर व वकालत की शिक्षा प्राप्त की है। दशकों से आप समाजसेवा मूलक कार्यों में तन, मन से अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। आप ओडिशा में सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहे, पिछले ७ वर्षों से आप छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन से जुड़े रहे हैं। अभी आप छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के रायपुर शाखा के अध्यक्ष हैं।

शाखा : सक्ति, छत्तीसगढ़

हरिओम अग्रवाल का जन्म १८ अगस्त १९६९ को छत्तीसगढ़ के सक्ति में हुआ। आपके पिता का नाम स्वर्गीय कुंदन लाल अग्रवाल, माँ का नाम स्व. गीता देवी अग्रवाल है। आपका पैतृक गाँव हरियाणा के खरक कला में है। आपकी सहधर्मिणी संगीता अग्रवाल हैं। आपने बी.कॉम तक की शिक्षा प्राप्त की है। सामाजिक कल्याण एवं प्राचीन सिक्कों, कागजी मुद्रा के संग्रह में आपकी रुचि है। दशकों से आप समाजसेवा मूलक कार्यों में तन, मन से अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। आप मारवाड़ी युवा मंच, सक्ती के चार्टर अध्यक्ष, अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के ११वें कार्यकारिणी सदस्य, अग्रवाल सभा, सक्ती के उपाध्यक्ष एवं रोटरी क्लब, सक्ती के पूर्व उपाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएँ दी हैं। अभी आप छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सक्ति शाखा के अध्यक्ष हैं।

शाखा : तिरुपति, आंध्र प्रदेश

रामकिशोर पारीक का जन्म ०८ अक्तूबर १९६८ को राजस्थान के गाँव सुमेल, जिला ब्यावर, राजस्थान में हुआ। आपके पिता श्री धरणीधर पारीक व माता श्रीमती इंदिरा देवी है। आपने ब्यावर की एस. बी. गवर्नमेंट कॉलेज से बी. कॉम तक की शिक्षा प्राप्त की। आपका विवाह ३० अप्रैल १९९२ में श्रीमती निर्मला के साथ हुआ। आप वर्ष १९८९ में तिरुचानूर तिरुपति आकर सोने-चाँदी का व्यापार शुरू किया। आप वर्ष २००८ से २०१२ तक मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष पद पर कार्यरत रह चुके हैं। वर्ष २०१६ से आप तिरुपति ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष, श्री बाबा रामदेव युवा मंडल के कार्यकारिणी सदस्य हैं। आप महावीर गौशाला से लंबे समय से जुड़कर वहाँ अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। अभी आप मारवाड़ी सम्मेलन के तिरुपति शाखा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं।

उपलब्धियाँ

देश भर के २४ राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए आयोजित प्रतिष्ठापरक राष्ट्रीय CLAT 2024 का परिणाम जारी हुआ है, जिसमें जय बोहरा ने ११८ में से १०८ अंकों के साथ सामान्य श्रेणी में अखिल भारतीय प्रथम रैंक हासिल किया है; जिससे पूरे देश में राजस्थान और मारवाड़ी समुदाय का सम्मान बढ़ा। १५ वर्ष के जय बोहरा ने सार्च २०२४ में कॉमर्स स्ट्रीम से १२वीं बोर्ड की परीक्षा दी है। जय के पिता विनोद कुमार बोहरा, एक निजी कंपनी में कानूनी सलाहकार हैं और माता डॉ. निभा बोहरा पहले एक शिक्षिका रही हैं।

बिहार के सोनारी निवासी बिनोद अग्रवाल व रेखा अग्रवाल की सुपुत्री प्रिया अग्रवाल ने मुजफ्फरपुर मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की डिग्री हासिल करके उपलब्धि हासिल की है।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की बिथान शाखा के सदस्य किशन टीबड़ेवाल के भतीजे और संतोष देवी - प्रदीप टीबड़ेवाल के सुपुत्र शिवम टीबड़ेवाल ने यूपीएससी के परीक्षा परिणाम में १९वाँ स्थान प्राप्त कर अपने समाज और राज्यको गौरवान्वित किया है। गत वर्ष उन्होंने इसी परीक्षा में ३०९ की रैंक प्राप्त की थी। शिवम की उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ!

अर्चना छापरिया - महेश कुमार छापरिया की सुपुत्री प्रिया कुमारी ने कॉमर्स विषय में ४७८/५०० अंक के साथ राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर समाज को गौरवान्वित किया है। प्रिया कुमारी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ!

समाज की बेटी पारुल अग्रवाल सुपुत्री श्री श्रीगोपाल अग्रवाल - मीना अग्रवाल ने एलएलबी की डिग्री सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है। पारुल को उज्ज्वल भविष्य कदी शुभकामनाए!

शाखा समाचार : टिटिलागढ़, उत्कल

हिंदू नववर्ष पर हनुमान चालीसा का पाठ

मारवाड़ी सम्मेलन, टिटिलागढ़ शाखा ने ९ अप्रैल को हिंदू नववर्ष धूमधाम से मनाया। सम्मेलन द्वारा स्थानीय महावीर पंचायत धर्मशाला के श्री हनुमान मंदिर परिसर में श्री हनुमान चालीसा का पाठ कर प्रसाद वितरण किया। इस अवसर पर सम्मेलन के बलांगीर जोन सचिव प्रकाश गोयल, शाखा अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, सचिव गोपाल टिबड़ेवाल आदि उपस्थित थे। टिटिलागढ़ शाखा अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, सचिव गोपाल टिबड़ेवाल ने वर्ष २०२४-२६ के लिए अपनी टीम का ऐलान किया। कोषाध्यक्ष राजीव जैन, उपाध्यक्ष विनोद मरोडिया, सूरजमल सोनी, संजय बंसल, सह-सचिव पंकज जैन, दीपक जैन, संजय अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य जुगल गोयनका, गोपाल लाठ, हरफूल अग्रवाल, जगदीश प्रसाद अग्रवाल (खुलानिया), प्रेमचंद जैन, ओमप्रकाश कनोडिया, रमेश कनोडिया, मंसाराम अग्रवाल, देवीप्रसाद शर्मा, गौतम टि बड़ेवाल, महेश अग्रवाल, पंकज बिरमिवाल, आशीष अग्रवाल, गणेश बाबू अग्रवाल, मनोज अग्रवाल शामिल रहे। शाखा का शपथ ग्रहण समारोह १८ अप्रैल को महावीर पंचायत धर्मशाला में करने का निर्णय लिया गया। मुख्य अतिथि प्रांतीय अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल एवं प्रांतीय सचिव सुभाष अग्रवाल, रूपा रोड, कैलाश अग्रवाल ने स्वीकृति प्रदान की। इस अवसर पर महेश दोदका, देवीप्रसाद शर्मा, मंसाराम अग्रवाल, श्रीराधाकृष्ण मंदिर के अध्यक्ष प्रकाश अग्रवाल, सत्यनारायण अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, संजीव जैन आदि उपस्थित थे।

शाखा समाचार : सक्ति, छ.ग.

मतदाताओं को जागरूक करने हेतु लगाया होर्डिंग

देश में लोकसभा निर्वाचन के दौरान शत-प्रतिशत मतदान को लेकर चलाए जा रहे शासन के स्वीय मतदाता जागरूकता अभियान के तहत अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से संबद्ध छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की शक्ति शाखा ने शहर में होर्डिंग लगाकर मतदाताओं से शत-प्रतिशत मतदान करने का आग्रह किया है। शाखाध्यक्ष हरिओम अग्रवाल के नेतृत्व में सदस्यों ने बताया कि लोकसभा के चुनाव आगामी महिनों में होने हैं तथा हम सभी इस बात की शपथ करें एवं अन्य लोगों को भी मतदान के प्रति जागरूक करें तथा हम अपना वोट देंगे एवं दूसरों का भी वोट दिलवाएंगे।

शाखा समाचार : बेंगलुरु, कर्नाटक

गणगौर उत्सव का आयोजन

मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि (कर्नाटक) के समूह ने गणगौर का कार्यक्रम ११ अप्रैल को अग्रसेन भवन (जयनगर) में आयोजित किया। १५० से अधिक महिलाओं ने गणगौर माता की पूजा की और ४०० से अत्यधिक लोगों ने उत्सव का आनंद लिया। शिव-पार्वति विवाह नृत्य की प्रस्तुती ने सबका मन मोह लिया। रंगारंग कार्यक्रम के साथ राजस्थानी पकवान और ढेर सारे इनाम ने सबकी प्रशंसा बटोरी।

कार्यक्रम की गरिमा बड़ाने के लिए हमारे साथ अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। साथ में कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष रमाकांत सराफ, सचिव शिव कुमार टेकड़ीवाल, उपाध्यक्ष सीताराम अग्रवाल एवं रमेश भाववाला ने दीप प्रज्ज्वलन किया। महिला परिधि की अध्यक्षा माया अग्रवाल ने सबका स्वागत किया और सलाहकार मंजू अग्रवाल ने अतिथियों का मनोरंजन गणगौर पर आधारित सामान्य-ज्ञान प्रश्नोत्तर से किया, जिसने सबका खूब ध्यान केन्द्रित किया। कार्यक्रम की संयोजक पूजा अग्रवाल, लता चौधरी, पल्लवी पोद्दार ने कार्यक्रम की बागडोर संभाली। ऑनलाइन प्रतियोगिता की संयोजक ऋतु अग्रवाल, विनीता अग्रवाल, जया चौधरी, नेहा अग्रवाल ने संभाली। पंजीकरण का कार्यभार निर्मला गोयल, सविता गुप्ता और हेमलता अग्रवाल ने संभाला। अंत में सचिव शालिनी अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। महिला परिधि के पूरे समूह के सहयोग से गणगौर उत्सव का आयोजन सफल रहा और सबकी खूब सराहना मिली।

शाखा समाचार : साकची, झारखंड

प्रांत की सर्वश्रेष्ठ शाखा का पुरस्कार

साकची शाखाध्यक्ष सुरेश कांवटिया ने साकची शाखा को प्रांत की सर्वश्रेष्ठ शाखा का पुरस्कार मिलने पर प्रांतीय अध्यक्ष बसंत मित्तल, महामंत्री रवि शंकर शर्मा, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश रिंगसिया, संयुक्त महामंत्री दीपक पारीक, अनुशासन समिति के चेयरमैन अशोक चौधरी और सभी प्रांतीय पदाधिकारियों के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि यह हमलोगों का सम्मान और उत्साह बढ़ाएगा। यह पुरस्कार हमें, सभी सदस्यों की जी-तोड़ मेहनत और साकची शाखा के सम्मानित सदस्यों के सहयोग से मिला है। आप सभी के सहयोग के बिना यह पुरस्कार मिलना संभव नहीं था। यह पुरस्कार हमारे साकची शाखा के सभी सम्मानित सदस्यों, नारी शक्ति को समर्पित है।

महावीर जयंती पर विशेष

मनुजता को कर विभूषित, मनुज को भगवान करिए

– डॉ. दिनेश कुमार जैन
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अ.भा.मा.स.

२१ अप्रैल २०२४ को हम जैन मत के अति महत्वपूर्ण पर्व **महावीर जयंती** का अनुपालन किए। यह महापर्व जैन मत के विश्व विख्यात तीर्थंकर **भगवान महावीर** के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। भगवान महावीर जैनियों के अत्यंत महत्वपूर्ण प्रेरणास्रोत एवं अब तक के अंतिम तीर्थंकर हैं।

आलेख के प्रारंभ में ही एक स्पष्टीकरण देना चाहूँगा। कुछ लोगों की ऐसी अवधारणा है कि भगवान महावीर ने जैन धर्म की स्थापना की थी जो संभवत: उनके अप्रतिम चारित्रिक गुणों एवं अतिप्रसिद्धि के कारण है। जैन मतानुसार विभिन्न कालखंड होते हैं और प्रत्येक कालखंड में २४ तीर्थंकर होते हैं, इसलिए इसे चौबीसी के नाम से भी जाना जाता है। तीर्थंकर (जिन्हें अरिहंत या जितेंद्र भी कहते हैं) की सामान्य परिभाषा है – धर्म तीर्थ के प्रवर्तन के लिए तीर्थंकरों का जन्म होता है जो स्वयं तप के माध्यम से आत्मज्ञान प्राप्त करते हैं और सभी जीवों को आत्मिक सुखप्राप्ति का मार्ग बताते हैं।

भगवान महावीर की प्रतिमा
(अहिंसा स्थल, महरौली, दिल्ली)

भगवान ऋषभदेव वर्तमान कालखंड (अवसर्पिणी) के प्रथम एवं भगवान महावीर चौबीसवें एवं अंतिम तीर्थंकर थे। भूतकाल, वर्तमान एवं भविष्य के, तीस चौबीसियों के विषय में जैनधर्मग्रंथों में वर्णन है और इसके साक्ष्य भी मिलते हैं। इस प्रकार जैन धर्म विश्व के प्राचीनतम मतों में से एक है।

भगवान महावीर का जन्म ५९९ ईसापूर्व (कुछ के अनुसार ५४० ईसापूर्व) में वैशाली गणतंत्र (वर्तमान बिहार राज्य का एक अंश) के कुण्डग्राम में इक्ष्वाकु वंश के क्षत्रिय राजा सिद्धार्थ एवं रानी त्रिशाला के पुत्र के रूप में चैत्र माह के शुक्लपक्ष की त्रयोदशी के दिन हुआ था। धर्मग्रंथों के अनुसार उनके जन्म के बाद राज्य की सर्वांगीण उन्नति होने लगी और इसीलिए उनका नाम 'वर्धमान' रखा गया। बाद में वे महावीर नाम से विख्यात हुए, लेकिन उन्हें 'वीर', 'अतिवीर' और 'सन्मति' नामों से भी संबोधित किया जाता है।

भगवान महावीर ने तीस वर्ष की आयु में संसार से विरक्त होकर राजवैभव का त्याग कर दिया और संन्यास धारण कर लिया। बारह वर्षों की कठिन तपस्या के बाद उन्हें कैवल्यज्ञान (जैन मतानुसार आत्मज्ञान या विशुद्धतम ज्ञान) की प्राप्ति हुई और उन्होंने समवशरण में ज्ञान प्रसारित किया। समवशरण तीर्थंकरों के दिव्य उपदेश भवन को कहते हैं, सामान्य शब्दों में इसका तात्पर्य है – जहाँ सबको शरण मिले या जहाँ सबको ज्ञान प्राप्त करने का समान अवसर मिले।

जिस युग में भगवान महावीर ने ज्ञान-प्रसारण प्रारंभ किया उस समय हिंसा, पशुबलि, विभिन्न प्रकार के भेदभाव आदि चरम पर थे। अपने उपदेशों में उन्होंने अहिंसा को उच्चतम नैतिक गुण बताया। भगवान महावीर ने जैन धर्म के पंचशील – अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अस्तेय (अचौर्य) और ब्रह्मचर्य का सहज भाषा में उपदेश दिया और इन्हें आमजन तक पहुँचाने और इनके अनुपालन के लिए उन्हें उत्प्रेरित करने में आजीवन लगे रहे। पंचशील को 'पाँच व्रत' भी करते हैं और एक व्रत की तरह इनका पालन किया जाता है। इसके अतिरिक्त उन्होंने अनेकांतवाद, स्यादवाद जैसे अद्भुत सिद्धांत भी दिए।

भगवान महावीर ने त्रिरत्न के सिद्धांत को अपनाने पर भी बल दिया। ये त्रिरत्न हैं – सम्यक आस्था, सम्यक ज्ञान और सम्यक आचरण। शुद्ध और नियमित जीवन को अनिवार्य बताते हुए उन्होंने बताया कि त्रिरत्नों के अभ्यास से स्वयं एवं संसार के सभी आत्माओं को सुखी बनाया जा सकता है।

दूसरी शताब्दी के प्रभावशाली दिगंबर मुनि, आचार्य समंतभद्र ने भगवान महावीर के तीर्थ (ज्ञानोपदेश) को सर्वोदय की संज्ञा दी। वर्तमान परिदृश्य में हम इस प्रकार समझ सकते हैं कि आज के युग में समाजवाद लाने, आर्थिक विषमता हटाने की बात की जाती है। इस असमानता की खाई को पाटने का उपाय भगवान महावीर अपने 'अपरिग्रह' के सिद्धांत के रूप में आज से ढाई हजार वर्ष पूर्व दे गए हैं। यह सिद्धांत कम साधनों में अधिक संतुष्टि पर बल देता है और कोई अपनी आवश्यकता से ज्यादा रखे इसकी सहमति नहीं देता।

भगवान महावीर के सर्वोदयी तीर्थों में क्षेत्र, काल, समय या जाति-विभेद की सीमाएँ नहीं थीं। उनका आत्मधर्म जगत की प्रत्येक आत्मा के लिए समान था – पशु-पक्षियों, पेड़-पौधों तक के लिए। दुनिया में सभी एक-से हैं और हम दूसरों के प्रति वही विचार एवं व्यवहार रखें जो हमें स्वयं को पसंद हो, यही उनके 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत का मूल है।

७२ वर्ष की आयु में, पावापुरी (नालंदा जिला, बिहार) में भगवान महावीर को मोक्ष प्राप्ति हुई। जैन मतावलंबियों द्वारा उनका मोक्ष दिवस दीपावली के रूप में मनाया जाता है। भगवान महावीर के असंख्य अनुयायी बने, जिनमें उस समय के प्रमुख राजा बिंबिसार, कुणिक, बेटक आदि शामिल थे। आज न सिर्फ जैन मतावलंबी अपितु पूरे विश्व के अलग-अलग भू-भागों में बसे विभिन्न धर्मों के मानने वाले लोगों के लिए भगवान महावीर एक प्रेरणास्रोत हैं। अपने उपदेशों के माध्यम से शांति-सुखमय जीवन हेतु उन्होंने पूरी मानवता का मार्गदर्शन किया है। सत्य है कि उन्होंने अपनी मनुष्यता को विभूषित किया और उसे ईश्वरत्व प्रदान किया।

भगवान महावीर का कोटिश: चरणवंदन!!

समाचार सार

समाज की छवि को विकृत करने के प्रयास का प्रतिरोध, पहली आवश्यकता – श्री बागड़ोदिया

आसम वासी ३७ मारवाड़ी कीर्ति पुरुषों की जीवन परिक्रमा पर आधारित उनकी विशेषता, उनका सामाजिक योगदान, स्थानीय समाज-संस्कृति में उनकी अवस्थिति से केवल स्थानीय बुद्धिजीवी - जातीय नेतागण, अपने नव-प्रजन्म को भी अवगत कराने के उद्देश्य से पिछले कई वर्षों से एक ग्रंथ शृंखला प्रकाशन की मानसिक तैयारी के अंतर्गत शृंखला की चौथी पुस्तक उमेश खण्डेलिया द्वारा संपादित 'किर्तिसुवास' का १७ मार्च को उत्तर लखीमपुर साहित्य सभा भवन में एक साहित्यमय परिवेश में असमिया साहित्य व शिक्षा क्षेत्र में परिचित, स्वनामधन्य डॉ. मुकुंद राजवंशी के संचालन में अनुष्ठित विमोचन समारोह में, न केवल असम वरन राष्ट्रीय स्तर के अनुवाद साहित्यसेवी के रूप में प्रतिष्ठित साहित्य पेंशनर देवी प्रसाद बागड़ोदिया द्वारा विमोचन किया गया। इसके पूर्व लखीमपुर के प्रमुख साहित्यकार व शिक्षाविद, राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित डॉ. अमीया राजवंशी ने दीप प्रज्ज्वलित करके समारोह का उद्घाटन किया। पू. प्र. मा. सम्मेलन, मंडलीय समिति (ग) के अध्यक्ष छतर सिंह गिरिया, उत्तर लखीमपुर साहित्य सभा के साहित्य प्रकाशन कोश की सचिव डॉ. बंटी गोगोई के संबोधन के पश्चात ग्रंथ के संपादक उमेश खंडेलिया ने अपने विचार रखें।

विमोचन कर्ता बागड़ोदिया जी ने अपने वक्तव्य में मारवाड़ियों की सहिष्णुता, ईमानदारी, धर्म परायणता व समाज कल्याण की भावनाओं के विपरीत, आंदोलन व सरकारी राजनीतिक नीतियों के चलते उन्हें स्वार्थी, पैसा कमाने की मशीन, संस्कृति विहिन आदि के रूप में पेश किया जाने का विरोध करके, अनुचित बताया। उन्होंने आगे कहा मारवाड़ी अपने संस्कारी प्रवृत्ति के कारण जहाँ जाता है वही का होकर, वहाँ के समाज-संस्कृति को अपनाते हुए हर सुख दुख का भागी बन जाता है। चंदा यानी आर्थिक सहयोग तो करता है, परंतु उस अर्थ सहयोग से संबंधित कार्य में सक्रिय भूमिका नहीं निभाता, इसी कमजोरी के कारण स्वार्थी तत्वों को मौका मिल जाता है।

इसके पूर्व ग्रंथ संपादक उमेश खंडेलिया ने अपने संबोधन में बताया कि असम की कुल जनसंख्या में २ प्रतिशत से भी कम की भागीदारी रखने वाले मारवाड़ी समाज की उपलब्धियों का प्रतिशत कहीं अधिक है जिसका जिक्र असमीया भाषा के साहित्य में नहीं के बराबर है। डेढ़ सौ से अधिक मारवाड़ी साहित्यकारों की ५०० से अधिक ग्रंथों का प्रकाशन, १५०० से अधिक सीए, ५०० से अधिक चिकित्सक का होना अपने आप में उल्लेखनीय है। सभा का संचालक डॉ. राजवंशी ने किया।

समाचार सार

जोरहाट साहित्य सभा के अध्यक्ष बने जुगल किशोर अगरवाला

ऐतिहासिक महत्व वाली संस्था जोरहाट साहित्य सभा की आम सभा ६ अप्रैल को संस्था के कार्यालय नवीन चंद्र बरदलै स्मृति भवन में आयोजित हुई। सभा की अध्यक्ष डॉक्टर दीपाली खारघरिया कलिता की अध्यक्षता में आयोजित इस सभा में सर्वप्रथम प्रसिद्ध निबंधकार व शोधकर्ता डॉ. प्रणवज्योति डेका के हाल ही में हुए निधन पर शोक प्रस्ताव पारित किया गया। जोरहाट साहित्य सभा के सचिव डॉ. अजंत कुमार बोरा के संचालन में आयोजित सभा में बोरा ने सचिव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इसके बाद संस्था के पूर्व अध्यक्ष मृदुल कुमार बोरा, धीरेंद्र कुमार गोगोई और राजा चक्रवर्ती ने विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखे। वहीं सलाहकार योगमाया गोगोई, दुलाल गोस्वामी, अष्टमी दत्त, उषा बोरा आदि ने भी सभा को संबोधित किया।

समाचार सार

मानवता की सेवा का अप्रतिम उदाहरण

राजस्थान के चिड़ावा, जिला-झुंझुनू, राजस्थान निवासी स्वर्गीय घनश्यामदास बिड़ला से प्रेरणा लेकर स्वर्गीय गजानंद डालमिया ने १९७० के दशक में गरीब, जरूरतमंद और मानवता की सेवा के लिए अपने माता और पिता की मधुर स्मृति में अमृतसर के मॉल रोड में ११५० वर्ग गज की भूमि दान कर इस चैरिटेबल ट्रस्ट की आधारशिला रखी। और अपने जीवनकाल में ही ट्रस्ट का भवन निर्माण करवाया। आपने चैरिटी के स्वायत्त निर्भरता हेतु भवन के दो तल को आय हेतु बैंक को किराए पर दे दिया। स्वर्गीय डालमिया के १९८९ में मृत्यु के उपरांत परिवार ने मानवता की सेवा के लिए १९९१ से १९९५ के बीच यहाँ विभिन्न पॉली क्लीनिक सेवाओं की शुरुआत की। आज प्रतिदिन १०० से ज्यादा मरीज यहाँ से सेवा का लाभ उठा रहे हैं। आज अमृतसर में धर्मार्थ सेवा कार्य चलाने के लिए चैरिटेबल ट्रस्ट प्रत्येक महिना ५ लाख रुपये का खर्च करता है, जिसका प्रबंध डालमिया परिवार के सदस्य करते हैं।

डालमिया चैरिटेबल ट्रस्ट की अमृतसर, पंजाब में प्रतिष्ठा है और दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

विशिष्ट संरक्षक सदस्य

श्री प्रयास सिंघी
मे. लैंडमार्क्स कैपिटल मार्केट प्रा. लि., ३२० सिटी सेंटर ५७० एम. जी. रोड, इंदौर-४५२००१, मध्य प्रदेश
मो : ९९९३५६६०५५

श्री विजय कुमार जैन
मे. श्री रत्नाकर प्रोजेक्टस प्रा.लि. फारचुना टावर्स, २३ए, एन.एस. रोड दशम तल, यूनिट-३७, कोलकाता-७००००१
मो : ९८३१५९५७७४

श्री संजय गोयनका
मे. हिंडकॉन केमिकल्स लिमिटेड ६२बी, ब्राउनफील्ड रो, वसुधा, प्रथम तल, कोलकाता-७०००२७
मो : ९८३००३१५६७

श्री सांवरमल खेतावत
मे. सांवरमल खेतावत २३९, तरुण राम फुकान रोड, पो. हैबरगाँव, जिला - नगाँव-७८२००२, असम
मो : ९४३५०६१५०३

श्री पवन परसरामपुरिया
मे. श्री श्याम इंटरप्राइजेज २३ए, एन.एस. रोड, दशम तल, कक्ष नं.-०१ कोलकाता - ७००००१
मो : ९८३००२२४०९

श्री मधुसूदन सीकरिया
मे. सीताराम कंपनी न्यू मार्केट, फैंसी बाजार गुवाहाटी-७८१००१, असम
मो : ९४३५१०६०८३

श्री अनुराग गाड़ोदिया
बेंगाल ईको इंटेलीजेंट पार्क ई.एम-३, १३ तल, यूनिट-१ साल्ट लेक सेक्टर-५ कोलकाता-७०००९१
मो : ९८३००६२०५५

श्री पवन सिंघानिया
मे. जयदीप इस्पात एंड एलॉयज ५०४, प्रेसिडेंट रिजेंसी नवरतन बाग रोड, इंदौर-४५२००१, मध्य प्रदेश
मो : ८८८९९१४१०१

श्री शरद बिहानी
मे. एस.एन. स्टील कर्पोरेशन ५०१, प्रेसिडेंट रिजेंसी ३/५, मनोरमागंज, इंदौर-४५२००१, मध्य प्रदेश
मो : ९८२६४२३६००

श्री मुकेश जैन
मे. एस.एम. म्युचुअल फंड डिस्ट्रिब्यूटर्स प्रा. लि. सिटी सेंटर, कक्ष नं.-३०३ १९, सिनेगॉग स्ट्रीट कोलकाता-७००००१
मो : ९८३००८२४११

श्री अरुण कुमार चोखानी
मे. अरुण कुमार चोखानी ४०२, प्रेसिडेंट रिजेंसी, ३/५, मनोरमागंज, इंदौर-४५२००१, मध्य प्रदेश
मो : ९८९३३२५२१४

सम्मेलन के सदस्य बनें और बनाएँ!

शाखा समाचार : कटक, उत्कल

प्रांतीय अध्यक्ष का अभिनंदन

कटक मेयर सुभाष सिंह, कटक विधायक मो. मुकीम, कट क जिला भाजपा अध्यक्ष व भाजपा प्रांतीय उपाध्यक्ष डा. पूर्णचंद्र महापात्र द्वारा सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल को स्मृति चिह्न प्रदान कर अभिनंदन किया गया।

शाखा समाचार : टिटिलागढ, उत्कल

टिटिलागढ शाखा का चुनाव संपन्न

४ अप्रैल को टिटिलागढ मारवाड़ी सम्मेलन का चुनाव स्थानीय महावीर पंचायत धर्मशाला मे संपन्न हुआ। सर्व सम्मति से राजेश अग्रवाल अध्यक्ष, गोपाल टिबड़ेवाल सचिव एवं राजीव जैन कोषाध्यक्ष चुने गए। जोन सचिव प्रकाश कुमार गोयल ने सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री शिव प्रकाश बगडिया मे. प्रकाश मिका एक्स. प्रा.लि., नवदा रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री सुभाष कुमार टिबड़ेवाल** भैरवा रोड, मधुपुर, देवघर, झारखंड	**श्री अंकित लच्छिरामका** भैरवा रोड, मधुपुर, देवघर, झारखंड	**श्री दीपक डालमिया** मे. पूजा एजेंसी, रमजास रोड मधुपुर, देवघर, झारखंड	**श्री दीपक कुमार जैन** जैन ट्रेपल के पास, स्टेशन रोड, गिरिडीह, झारखंड
श्री दीपक चिरानिया बी.बी. भवन, बाल गणेश के पास, गिरिडीह, झारखंड	**श्री कमल कुमार लाठ** रानी सती मंदिर रोड, आमला टोला चाईबासा, झारखंड	**श्री कमल कुमार सिंघानिया** मे. के.एस. टेक्सटाइल, गांधी चौक, मधुपुर, देवघर, झारखंड	**श्री मनोज डालमिया** जगन्नाथ गुटगुटिया रोड, देवघर, झारखंड	**श्री मुकेश कुमार अग्रवाल** एस.सी.मुखर्जी रोड, मधुपुर, देवघर, झारखंड
श्री मुकेश कुमार जालान मारुती टावर, तिरंगा चौक, तुंडी चौक, गिरिडीह, झारखंड	**श्री रहिश कुमार शर्मा** एच.सी. घोष लेन, गांधी चौक, मधुपुर, देवघर, झारखंड	**श्री रवि कांत अगरवाल** मे. अग्रवाल ड्रेसेस, गांधी चौक, मधुपुर, देवघर, झारखंड	**श्री संजीत जालान** मे. ट्रेंड्स ऑफ इंडिया, बरगंदा, गिरिडीह, झारखंड	**श्री शरद कुमार मोहनका** ओंकारमल गुटगुटिया रोड, मधुपुर, देवघर, झारखंड
श्री शिव कुमार खेतान डी-१०२, नंदिनी-२, वेस अभावा रोड, सूरत, गुजरात	**श्री आयुष कुमार मोहनसरिया** इमलीघाट, गुदड़ीबाजार, दरभंगा, बिहार	**श्री आयुष कुमार सिंघानिया** मे. राधे एजेंसी, सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्री महेंद्र कुमार सुल्तानिया** वारिसलीगंज, नवादा, बिहार	**श्री अभय कुमार केजरीवाल** जाई मोहल्ला, नमक गोला, बक्सर, बिहार
श्री अभिलाष कानोड़िया हसनपुर बाजार, समस्तीपुर, बिहार	**श्री अभिषेक जालान** मे. जालान ड्रेसेस, मेन रोड सीतामढ़ी, बिहार	**श्री अभिषेक जालान** मनोज वस्त्रालय, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री अभिषेक कुमार चौधरी** सुभाष चौक, लालबाग, दरभंगा, बिहार	**श्री अभिषेक शर्मा** वार्ड नं-०५, सालमारी, कटिहार, बिहार
श्री आदर्श कुमार सिंघानिया कॉलेज रोड, सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्री आदित्य अग्रवाल** अग्रसेन रोड, सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्री अजय कुमार मित्तल** नगर परिषद, जनकपुर रोड, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री अजय कुमार** पुरानी बाजार, मारवाड़ी मोहल्ला, मधेपुरा, बिहार	**श्री अजय कुमार अग्रवाल** मारंची उजागर, हसनपुर, समस्तीपुर, बिहार
श्री अजय कुमार अग्रवाल मे. महावीर खादी भंडार परिषद, विद्यापति चौक, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री अजय कुमार सिंहानिया** केशरी कटरा, एम.जी. रोड, कटिहार, बिहार	**श्री अजय कुमार यादुका** भवानीपुर, राजधाम, पुर्णिया, बिहार	**श्री अजीत कुमार** गांधीनगर, पुरानी बाजार, कहलगाँव, भागलपुर, बिहार	**श्री अजीत कुमार केजरीवाल** मे. शीतला सिंथेटिक्स, मधुबनी, बिहार
श्री आकाश अग्रवाल ठाकुरबाड़ी मंदिर के पास, ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री अलोक कुमार** हसनपुर रोड, समस्तीपुर, बिहार	**श्री आलोक शर्मा** चौधरी टोला, कहलगाँव, भागलपुर, बिहार	**श्री अमन चौधरी** चौधरी लेन, सब्जी मंडी के पास, मधुबनी, बिहार	**श्री अमन कुमार पटवारी** मे. विक्की इलेक्ट्रिक कटिहार, बिहार
श्री अमन मित्तल झांझिहाट रोड, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री अमित अगरवाल** नेहरू रोड, ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री अमित कुमार** सूर्यगढ़, लक्खिसराय, बिहार	**श्री अमित कुमार अग्रवाल** कटिहार, बिहार	**श्री अमित कुमार अग्रवाल** बेनियाटोला चौक कटिहार, बिहार
श्री अमित कुमार केयाल केयाल बिल्डिंग, लाल बाजार, बेतिया, बिहार	**श्री अमित कुमार सराफ** मे. कल्याणी वस्त्रालय त्रिवेणीगंज, बिहार	**श्री अमित कुमार टेकरीवाल** चौधरी टोला, कहालगाँव, भागलपुर, बिहार	**श्री अमित कुमार टिबड़ेवाल** पुपरी, जनकपुर रोड, सीतामढ़ी, बिहार	**श्रीमती अमिता अग्रवाल** विद्यापति चौक के पास सीतामढ़ी, बिहार
श्री आनंद जैन मे. जैन साड़ी हाउस, आलमा टोला, कटिहार, बिहार	**श्री आनंद कुमार बाजोरिया** लक्ष्मी नारायण रोड, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री आनंद कुमार यादुका** भवानीपुर, राजधाम, पुर्णिया, बिहार	**श्री आनंद मित्तल** पुपरी, जनकपुर रोड, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री अनिल अग्रवाल** इंदिरा गांधी चौक, दरभंगा, बिहार
श्री अनिल कुमार अग्रवाल मिडल चौक, मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री अनिल कुमार भरतीया** सुता पट्टी, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री अनिल कुमार केडिया** वार्ड नं.-१२, भवानीपुर राजधाम, पुर्णिया, बिहार	**श्री अनिल कुमार केजरीवाल** मे. रौनक फॉर्मा, झंझारपुर, मधुबनी, बिहार	**श्रीमती अंजली देवी** मरांची उजागर, हसनपुर, समस्तीपुर, बिहार
श्रीमती अंजना पारीक शिव मंदिर रोड, किशनगंज, बिहार	**श्री अंकेश कुमार सिंघानिया** सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्री अंकित कुमार जैन** मेन रोड, शंकर मेडिकल के सामने, नवादा, बिहार	**श्री अंकित कुमार शर्मा** चौधरी टोला, कहलगाँव, भागलपुर, बिहार	**श्री अंकित कुमार सुल्तानिया** मेन रोड, दुर्गा मंदिर के पास, मधेपुरा, बिहार
श्री अंकित मांडिवाल तुलसी कॉलोनी, सोनाली चौक, पुर्णिया, बिहार	**श्री अंकित मित्तल** नाका नं.-१, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री अंकित राज** गुरुबाजार बिहार	**श्री अंकुर कुमार गोपालिका** भवानीपुर राजधाम, पूर्णिया, बिहार	**श्रीमती अंशिखा भारती** हसनपुर बाजार, समस्तीपुर, बिहार
श्री अनुज कुमार अग्रवाल सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्री अनुप कुमार मित्तल** मे. तुलसी टेक्सटाइल्स, कटिहार, बिहार	**श्री अनुप टिबड़ेवाल** टावर चौक, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री अनुराधा अग्रवाल** मिर्जापुर, दरभंगा, बिहार	**श्री अनुराग अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार
श्री अर्चित कुमार मेन रोड, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री अरुण कुमार चौधरी** बड़ाबाजार, गांधी चौक, दरभंगा, बिहार	**श्री अरुण कुमार केड़िया** भवानीपुर, राजधाम, पूर्णिया, बिहार	**श्री अरविंद कुमार** मेन रोड, मधेपुरा, बिहार	**श्री अरविंद कुमार** मे. बिमला पुस्तक भंडार, सहरसा, बिहार
श्री आशीष अगरवाल नेहरू रोड, ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री आशीष भुतिया** हनुमान मंदिर के पास, चौधरी टोला, भागलपुर, बिहार	**श्री आशीष देवड़ा** मे. आशीष स्टोर, कहलगाँव, भागलपुर, बिहार	**श्री आशीष कानोड़िया** हसनपुर बाजार, समस्तीपुर, बिहार	**श्री आशीष केडिया** मे. दरभंगा मशीनरी, मिर्जापुर चौक, दरभंगा, बिहार
श्री आशीष कुमार चौधरी मेन रोड, बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री अशोक कुमार अग्रवाल** सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्री अशोक कुमार अग्रवाल** शांति नगर, मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री अशोक कुमार चौधरी** वार्ड नं.-५/१३, पूर्णिया बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री अशोक कुमार मोहनसारिया** इमलीघाट, गुदड़ीबाजार, दरभंगा, बिहार
श्री अशोक शर्मा वार्ड नं.-७, पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री अशोक शर्मा** ठाकुरबाड़ी मंदिर के पास, ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री आशुतोष जालान** मे. श्री अन्नपूर्णा ट्रेडर्स, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री अश्विन कुमार जालान** मेन रोड, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री अतीश कुमार** ओल्ड बैंक रोड, नवादा, बिहार

BE A PART OF OUR FAMILY

Grow With Us

- **Employee**

Employee Benefits

- Great Work Culture
- Support and Handholding
- Growth and Appreciation
- Knowledge and Learning

- **Partner**

Partner Benefits

- No Risk
- Partner for your own location
- Continuous Support
- Not much cost involved

AUM CAPITAL

YOUR TRUST IS OUR WEALTH

New Delhi I Mumbai I Kolkata I Pune I Ranchi I Bangalore I Chennai I Ahmedabad

www.aumcap.com

FOR FURTHER QUERIES REACH US AT

aumcares@aumcap.com

/ AumCap

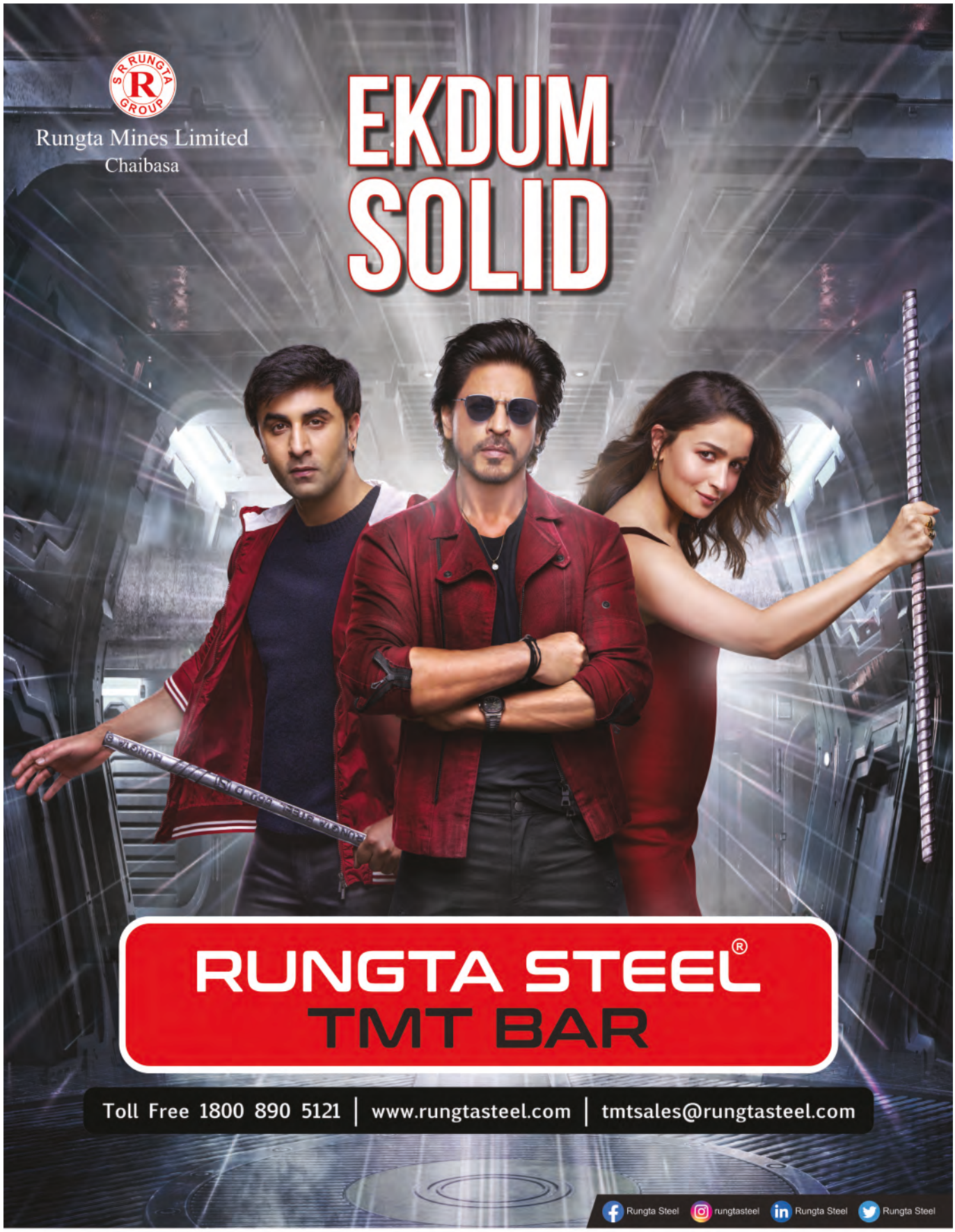

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYDOORS®
CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates
CENTURYPVC®
CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board
CENTURYPROWUD®
MDF-The wood of the future
zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
SAINIK 710
WATERPROOF PLY
SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.
Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088
For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on 1800 5722 122

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 29th April, 2024
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com